हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 17 | श्रावस्ती, सोमवार 23 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

दिल्ली में कोरोना का कहर, एक और मरीज की हुई मौत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। देशभर में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। राजधानी दिल्ली में भी कोरोना का कहर जारी है। दिल्ली में कोविड से एक और मरीज की मौत हो गई है। एक जनवरी से लेकर अब तक 17 लोग कोरोना से जान गंवा चुके हैं। हालांकि, जान गंवाने वालों में ज्यादातर मरीज किसी न किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित थे। राजधानी में शनिवार को कोरना का कोई नया मामला सामने नहीं आया। वहीं, 24 घंटे में 154 मरीज स्वस्थ हो गए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के कोविड डैश बोर्ड के अनुसार, सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 557 रह गई है। एक जनवरी से लेकर अब तक कोरोना के 2835 मामले सामने आए हैं। बता दें कि देश में इस बार बढ़ते संक्रमण के लिए ओमिक्रॉन और इसके सब–वैरिएट्स को जिम्मेदार माना जा रहा है।

अमेरिका के हमले में ईरान को हुआ भारी नुकसान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रविवार तड़के किए गए अमेरिका के हमले में ईरान के फोर्डो परमाणु केंद्र को भारी नुकसान हुआ है। सैटेलाइट तस्वीरों से इसका खुलासा हुआ है। ईरान का फोर्डो परमाणु केंद्र भूमिगत था और एक पहाड़ के कई मीटर नीचे थे। अमेरिका ने अपने बी–2 स्टील्थ बॉम्बर से यहां हमला किया। यह हमला बंकर बस्टर बमों से किया गया, जिससे परमाणु केंद्र को भारी नुकसान होने की आशंका जताई गई। अब सैटेलाइट तस्वीरों से भी इसकी पुष्टि हो गई है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि फोर्डो परमाणु केंद्र जिस पहाड़ में मौजूद था, उसे भी अमेरिकी हमले में नुकसान हुआ है। हमले में परमाणु केंद्र के एंट्री पॉइंट तबाह हो गए हैं, जिससे ईरान को परमाणु केंद्र तक पहुंचने और नुकसान का आकलन करने के लिए ही काफी मशक्कत करनी होगी।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में रविवार दोपहर हल्की बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 'येलो' अलर्ट जारी किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण पूर्वी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। आईएमडी के अनुसार, आने वाले कुछ घंटों में राजौरी गार्डन, पटेल नगर, बुद्ध जयंती पार्क, द्वारका, रोहिणी, मालवीय नगर, हौज खास, दिल्ली कैंट, पालम, लोधी रोड, नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी हवाई अड्डा, डिफेंस कॉलोनी, लाजपत नगर, इग्नू, आयानगर, डेरामंडी और पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश तथा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। शहर में 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है, जिसका अर्थ है 'सावधान रहें'।

नौका डूबने से सात पर्यटकों की मौत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक नौका के डूब जाने से उसमें सवार सात पर्यटकों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्वात जिले के कलाम के शाही बाग इलाके में 10 पर्यटकों को ले जा रही नौका के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि स्थानीय लोगों ने तीन अन्य को बचा लिया। बचाव अधिकारियों के अनुसार, चार पर्यटकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों और बचाव दलों को तैनात कर दिया गया है, लेकिन भूभाग की जटिल संरचना और सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित होने के कारण बचाव प्रयासों में बाधा आ रही है। नेशनल असेंबली' (पाकिस्तान की संसद) के सदस्य डॉ. अमजद अली ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने 200 लोगों की सुनीं समस्यांए दिया आश्वासन-समस्या का समाधान होगा, सबको न्याय मिलेगा

गोरखपुर (एजेन्सी)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि सबको न्याय मिलेगा। जनता की समस्या सुनते हुए सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने किया गया था। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। जनता दर्शन में आईं जमीन कब्जा संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीबों की जमीन कब्जामुक्त कराएं और अवैध कब्जा करने वाले दबंगों को कानूनी सबक सिखाएं।

उन्होंने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान व्हीलचेयर पर आए एक व्यक्ति को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने आश्वस्त किया इलाज में सरकार धन की कमी आड़े नहीं आने देगी। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रविवार सुबह की दिनचर्या परम्परागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर मत्था टेकने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करने निकले।

इस दौरान उनकी नजर परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने बच्चों को पास बुला लिया। नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा, उनके साथ हंसी–ठिठोली की और खूब दुलारकर आशीर्वाद और चॉकलेट दिया।

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से की बातचीत, क्षेत्र में तनाव कम करने की अपील की

नयी दिल्ली (एजेन्सी) मध्य–पूर्व में जारी ईरान और इजराइल के बीच तनाव अब और गंभीर हो गया है। अब अमेरिका भी इस संघर्ष में कूद पड़ा है। अमेरिकी वायुसेना के बी–2 बॉम्बर विमानों ने बीती रात ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर बड़े स्तर पर हवाई हमले किए। इस हमले के बाद पूरे इलाके में तनाव और बढ़ गया है। इस घटनाक्रम के कुछ घंटे बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से टेलीफोन पर बातचीत की। इस बातचीत की जानकारी खुद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के जरिए साझा की। पीएम मोदी ने अपनी पोस्ट में लिखा, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से मेरी बातचीत हुई। हमने मौजूदा हालात पर विस्तृत चर्चा की। मैंने सैन्य संघर्ष को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और तनाव कम करने के लिए तुरंत संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की। साथ ही, क्षेत्र में जल्द से जल्द शांति, सुरक्षा और स्थिरता की बहाली की मांग की। भारत का यह रुख बताता है कि वह इस संकट को गंभीरता से ले रहा है और शांति की दिशा में कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता दे रहा है। ईरान ने अमेरिकी हमलों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अमेरिका की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और परमाणु अप्रसार संधि का गंभीर उल्लंघन बताया। एक कड़े बयान में अराघची ने कहा, आज सुबह की घटनाएं उकसाने वाली हैं और इसके गंभीर व दीर्घकालिक परिणाम होंगे। अमेरिका ने शांतिपूर्ण परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर आपराधिक व्यवहार किया है। हर संयुक्त राष्ट्र सदस्य को इस खतरनाक, अराजक और गैर–कानूनी हरकत पर चिंता जतानी चाहिए। अराघची ने यह भी कहा कि ईरान आत्मरक्षा के अपने अधिकार के तहत सभी विकल्प खुले रखता है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने भी अमेरिका के इन हमलों की कड़ी निंदा की और इसे देश की संप्रभुता पर सीधा हमला बताया। मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। तेहरान ने आईएईए पर भी आरोप लगाया कि वह शुद्ध भड़काने वालों का पक्ष ले रही है। ईरान ने साफ किया कि वह अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए हरसंभव जवाब देगा। ईरान ने चेतावनी दी कि अमेरिका की कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी से स्थिति और बिगड़ सकती है। साथ ही, ईरान ने अमेरिका पर यह आरोप भी लगाया कि उसने कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान ही युद्ध छेड़ दिया। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से इस मामले पर आपातकालीन सत्र बुलाने की अपील करते हुए कहा कि अमेरिका अपने दायरे से बाहर जाकर एक नरसंहारकारी और कब्जाधारी शासन यानी इजराइल की मदद कर रहा है।

गृह मंत्री ने रायपुर में फोरेंसिक यूनिवर्सिटी-लैब का किया शिलान्यास

रायपुर विमानतल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, ने उनका स्वागत किया

रायपुर (एजेन्सी)। गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के लिए रायपुर पहुंचे। रायपुर विमानतल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अरुण देव गौतम ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए शाह के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और मंत्री भी थे। वे नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। कल यानी सोमवर को नक्सलियों के खिलाफ लड़ने वाले सुरक्षा बलों के जवानों से भेंट करेंगे। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज में हिंसा और लाल आतंक का कोई स्थान नहीं है। इसीलिए, हमने नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया है और इसे पूरा कर के ही रहेंगे। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर के सेक्टर–21 में 2.65 लाख वर्गफीट में निर्मित छह मंजिला सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट देश के इस पहली स्मार्ट सिटी की नई पहचान बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। नवा रायपुर का नवनिर्मित रेल्वे स्टेशन इसके पास ही है, जिस वजह से यह सीबीडी रेल्वे स्टेशन के नाम से ही जाना जाता है। अभी सीबीडी में मिराज मल्टीप्लेक्स, आईपी क्लब रेस्टोरेंट और एएसपी कार्यालय संचालित हो रहे हैं। मनोरंजन के अद्वितीय अनुभव के लिए यहां जल्द ही इमर्सिव होलोग्राफिक एंटरटेनमेंट सेंटर प्रारंभ होने जा रहा है। हर तरह की खरीदारी के लिए गोकुल सुपर मार्केट भी शीघ्र शुरू होगा। स्मार्ट सिटी के अनुरूप सीबीडी में एक ही जगह पर विविध सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। स्थानीय व्यवसाईयों को 100 से अधिक रिटेल दुकानें आबंटित की गई हैं जो यहां तेजी से फुटफाल बढ़ाएंगी। सीबीडी नवा रायपुर के आर्थिक विकास को गति देने के साथ ही रोजगार, पर्यटन, सांस्कृतिक–तकनीकी केंद्र और नवाचार आधारित स्टार्ट–अप्स के लिए नया मंच प्रदान करेगा। स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को साकार करने वाला यह कॉम्प्लेक्स आने वाले वर्षों में नवा रायपुर की नई पहचान बनेगा जहां शिक्षा, मनोरंजन और दैनिक जरूरतें जैसी सभी चीजें एक ही स्थान पर सुलभ होंगे। इमर्सिव टेक्नोलॉजी, तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान और शॉपिंग की सहुलियतों से सुसज्जित यह भविष्य के नए आकर्षण का केंद्र है।

सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद, बदरीनाथ में बढ़ा अलकनंदा का जलस्तर,श्रद्धालुओं को तट से दूर रहने की सलाह

रुद्रप्रयाग/गोपेश्वर (एजेन्सी) रुद्रप्रयाग में रविवार सुबह भूस्खलन के कारण सोनप्रयाग–गौरीकुंड मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई, जबकि बदरीनाथ मंदिर की तलहटी में अलकनंदा नदी में जलप्रवाह अचानक बढ़ने के बाद प्रशासन ने श्रद्धालुओं को तट से दूर रहने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार देर रात हुई बारिश के बाद रविवार सुबह मुनकटिया के पास भूस्खलन होने से मलबा से सोनप्रयाग–गौरीकुंड मार्ग पर आ गया जिससे मोटर मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हो गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग तथा गौरीकुंड में ही रोकने तथा संबंधित एजेंसियों के स्तर पर मार्ग खोले जाने की कार्रवाई शुरू की गई। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन वाली जगह पर जेसीबी मलबे को साफ करने में जुटी है। पुलिस ने बताया कि अभी मार्ग को पैदल चलने लायक बनाया गया है जिससे यात्रियों का पैदल आवागमन शुरू हो गया है। हालांकि, केदारनाथ धाम पहुंचने के लिए पैदल श्रद्धालुओं को छह किलोमीटर अतिरिक्त चलना पड़ रहा है। लगातार बारिश के कारण गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक का पैदल मार्ग भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है ऐसे में प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि मौसम के पूर्वानुमान के हिसाब से अपनी यात्रा करें तथा इस संबंध में पुलिस प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। चमोली जिले में बदरीनाथ मंदिर की तलहटी पर अलकनंदा का जलप्रवाह अचानक बढ़ जाने से पुलिस और प्रशासन की ओर से तीर्थयात्रियों को ब्रह्म कपाल और नारद कुंड इलाके में सतर्क रहने और नदी के तट से दूर रहने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

पिछले तीन सालों से महायोजना के तहत 'रिवरफ्रंटश का निर्माण किया जा रहा है और इसका मलबा नदी के पास डाले जाने के कारण बदरीनाथ के समीप अलकनंदा में पानी उपर तक आ जाता है। पिछले साल भी तप्त कुंड और ब्रह्म कपाल इलाके में अलकनंदा का प्रवाह बाढ़ की स्थिति में आ गया था। पुलिस ने बताया कि इस क्षेत्र में अचानक बारिश के कारण बदरीनाथ धाम में अलकनंदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। उसने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस द्वारा घोषणा कर श्रद्धालुओं को नदी के किनारे न जाने की हिदायत दी जा रही है।

हमें हर समय सुगमता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए : एस जयशंकर

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों के मामले में हर समय ''सुगमता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।'' बिना अधिक विवरण साझा किए जयशंकर ने कहा, ''आखिरकार, हमारे प्रत्येक पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ काम करने से आपको लाभ होगा और भारत के साथ काम न करने की एक कीमत चुकानी पड़ेगी।

विदेश मंत्री ने 'डीडी इंडिया' पर आयोजित एक संवाद सत्र के दौरान कहा, ''कुछ लोगों को इसे समझने में अधिक समय लगता है, जबकि कुछ लोग इसे बेहतर समझते हैं। बेशक इसका एक अपवाद पाकिस्तान है, क्योंकि उसने अपनी पहचान सेना के तहत परिभाषित की है और उसमें शत्रुता का भाव है। इसलिए यदि आप पाकिस्तान को एक तरफ रख दें, तो यह तर्क हर जगह लागू होगा। जयशंकर ने रात अपने 'एक्स' हैंडल पर लगभग एक घंटे की बातचीत का लिंक साझा किया। विदेश मंत्री से एक रणनीतिक विशेषज्ञ के साथ बातचीत में पिछले 11 वर्षों में अमेरिका और चीन के रुख में आए बदलावों के बारे में भी पूछा गया और पूछा गया कि नयी दिल्ली इस बदलाव को कैसे देखती है। जयशंकर ने कहा, ''जहां तक अमेरिका का सवाल है, हां, उसके बारे में अंदाजा लगाना मुश्किल है।

एअर इंडिया विमान हादसा: मलबा अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पहुंचा, जांच प्रक्रिया शुरू

अहमदाबाद (एजेन्सी) अहमदाबाद में 12 जून को एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के मलबे को गुजरात पुलिस ने हवाई अड्डे परिसर में ले जाना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुआ विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद मेघाणी नगर में छात्रावास परिसर में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि मलबे को दुर्घटनास्थल से गुजरात राज्य विमानन अवसंरचना कंपनी लिमिटेड (जीयूजेएसएआईएल) की इमारत में ले जाया जा रहा है जो हवाई अड्डे के परिसर में है और इसे विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की निगरानी में रखा जाएगा। संयुक्त पुलिस आयुक्त, सेक्टर–दो, जयपालसिंह राठौर ने बताया, ''हमने यहां दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के मलबे को आज से जीयूजेएसएआईएल की इमारत में ले जाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ''पूरे मलबे को स्थानांतरित करने में 48 से 72 घंटे लगेंगे। अधिकारी ने कहा, ''मलबा एएआईबी के कब्जे में रहेगा जो विमान दुर्घटना की जांच कर रहा है।श्श एएआईबी के अलावा, अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) विमान दुर्घटना की अंतरराष्ट्रीय जांच का नेतृत्व कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना में मारे गए लोगों में से कम से कम 247 लोगों की अब तक डीएनए नमूने के मिलान के माध्यम से पहचान की गई है और 232 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं।

कांग्रेस ने आवास योजना में अनियमितताओं की जांच की मांग की

कलाबुरगी (एजेन्सी) वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल ने राजीव गांधी हाउसिंग कॉर्पोरेशन योजना में कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने इस योजना के तहत घरों के आवंटन की प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पाटिल ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा "यह एक बड़ी बात है। अपने अनुभव के आधार पर मैं यह विश्वास के साथ कह सकता हूं। उन्होंने बताया कि 2024–25 के लिए अपने पूरे विधानसभा क्षेत्र के लिए घर पाने हेतु सरकार को चार बार पत्र भेजने के बावजूद कोई आवंटन नहीं हुआ।"

मंत्री ने कहा, "मुझे नहीं पता क्यों कुछ भी मंजूर नहीं हुआ। मेरी ओर से दिए गए पत्र लेने वाले लोगों को भी कुछ नहीं मिला। पाटिल ने सवाल किया कि कैसे कुछ व्यक्ति अपने दम पर घरों का आवंटन करवा लेते हैं, जबकि बड़े समुदाय के आवेदनों की अनदेखी की जाती है। जब लोग व्यक्तिगत रूप से जाकर घर लेते हैं, तो यह गंभीर सवाल उठाता है। यही मेरी चिंता है। पाटिल राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष हैं लेकिन सिद्दारमैया के मंत्रिमंडल में सक्रिय मंत्री नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया है और न ही किसी पर पैसे लेने का आरोप लगाया है, लेकिन राजीव गांधी हाउसिंग कॉर्पोरेशन की कार्यप्रणाली की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा,"सच्चाई सामने आए। अगर कोई दोषी है चाहे वह मेरी अपनी सरकार का हो, कार्रवाई होनी चाहिए। मैं किसी सरकार का अंधविश्वासी समर्थन नहीं करता। यह मुद्दा इसलिए उठाया क्योंकि मेरे क्षेत्र के लोग मुझे इसकी जानकारी देते रहे। मैं जनता के साथ हूं। जब भी गड़बड़ी होगी, मैं चुप नहीं रहूंगा। मेरे जैसे लोग आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि इससे भारतीय राजनीति की बुनियाद कमजोर हुयी है। उन्होंने कहा कि बड़ी क्रांति चाहिए। लेकिन आज सिवाय राहुल गांधी के ऐसा कोई और नेतृत्व नहीं है जो इस बदलाव को ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि वे संबंधित निजी सचिव से बात कर चुके हैं, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को अभी तक पत्र नहीं लिखा है। पाटिल ने कहा, अगर मुख्यमंत्री बुलाएंगे तो मैं उन्हें सब कुछ समझाऊंगा। पाटिल ने कांग्रेस में किसी भी मतभेद की अफवाह को खारिज करते हुये कहा कि उन्हें पार्टी पर पूरा भरोसा है और जिन लोगों ने उनकी बात को गलत समझा हैं वह उनसे व्यक्तिगत रूप से बात करेंगे।

सम्पादकीय

अब तो पद छोड़ें, यशवंत वर्मा का मामला बहुत गंभीर

अपने सरकारी आवास में बड़ी संख्या में अधजले नोट मिलने से कटघरे में खड़े उच्च न्यायालय के जज यशवंत वर्मा की जांच करने वाली सुप्रीम कोर्ट समिति की रपट के ऐसे निष्कर्ष बहुत ही गंभीर हैं कि उनका कदाचार साबित हो रहा है और वे पद पर रहने के योग्य नहीं। इस रपट में उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की संस्तुति भी की गई है। ऐसी सिफारिश सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कर दी थी और उसके आधार पर सरकार यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी भी कर रही है, पर उच्चतर न्यायपालिका के जजों के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया लंबी चलती है। महाभियोग प्रस्ताव को संसद के दोनों सदनों से पारित कराना पड़ता है। आज तक हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के किसी जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, क्योंकि कभी क्षेत्रवाद, जातिवाद की संकीर्ण राजनीति आड़े आ गई और कभी पक्ष–विपक्ष में सहमति ही नहीं बन पाई। पता नहीं इस बार क्या होगा। कहीं जांच समिति की रपट का लीक होना मुद्दा न बन जाए। जो भी हो, न्यायपालिका की छवि के लिए बेहतर यही होगा कि यशवंत वर्मा स्वतः त्यागपत्र दे दें। अधजले नोट कांड के बाद जज यशवंत वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजकर उन्हें न्यायिक कामकाज से विरत कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर इसलिए सवाल उठे थे, क्योंकि उनके खिलाफ जांच के लिए तीन जजों की एक समिति तो बना दी गई थी, लेकिन मामले की छानबीन करने के लिए दिल्ली पुलिस को नहीं कहा गया था। आखिर क्यों? क्या इसलिए कि यशवंत वर्मा उच्च न्यायालय के जज हैं? क्या उच्चतर न्यायालयों के जज कानून से परे होते हैं? यह प्रश्न आज भी है कि आखिर ऐसे जजों पर लगे कदाचार के गंभीर आरोपों की जांच पुलिस को क्यों नहीं करनी चाहिए? यह सही है कि विशेषाधिकार के चलते उच्चतर न्यायपालिका के जजों पर लगे गंभीर आरोपों की जांच पुलिस सीधे नहीं कर सकती और उसे सुप्रीम कोर्ट की अनुमति लेनी होती है, लेकिन यशवंत वर्मा के मामले में तो जांच रिपोर्ट मिल जाने के बाद भी शीर्ष अदालत ने पुलिस को जांच के कोई निर्देश नहीं दिए थे। बात केवल यशवंत वर्मा की ही नहीं है। इसकी पूरी आशंका है कि उनके जैसे कुछ और जज भी हो सकते हैं। इसका कारण यह है कि रह–रहकर उच्चतर न्यायालय के जजों के आचरण को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। ऐसे कुछ जजों को त्यागपत्र देने के लिए कहा गया। कुछ ने विपरीत हालात देखकर त्यागपत्र दे दिया, लेकिन कुछ ने नहीं दिया या पद छोड़ने में देर की। यह देर एक तरह की अंधेर ही होती है। यह सच स्वीकार करने में संकोच नहीं किया जाना चाहिए कि उच्चतर न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार व्याप्त है। महाभियोग प्रस्ताव को संसद के दोनों सदनों से पारित कराना पड़ता है। आज तक हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के किसी जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, क्योंकि कभी क्षेत्रवाद, जातिवाद की संकीर्ण राजनीति आड़े आ गई और कभी पक्ष–विपक्ष में सहमति ही नहीं बन पाई। पता नहीं इस बार क्या होगा। कहीं जांच समिति की रपट का लीक होना मुद्दा न बन जाए। जो भी हो, न्यायपालिका की छवि के लिए बेहतर यही होगा कि यशवंत वर्मा स्वतः त्यागपत्र दे दें। अधजले नोट कांड के बाद जज यशवंत वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजकर उन्हें न्यायिक कामकाज से विरत कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर इसलिए सवाल उठे थे, क्योंकि उनके खिलाफ जांच के लिए तीन जजों की एक समिति तो बना दी गई थी, लेकिन मामले की छानबीन करने के लिए दिल्ली पुलिस को नहीं कहा गया था। आखिर क्यों? क्या इसलिए कि यशवंत वर्मा उच्च न्यायालय के जज हैं? क्या उच्चतर न्यायालयों के जज कानून से परे होते हैं? यह प्रश्न आज भी है कि आखिर ऐसे जजों पर लगे कदाचार के गंभीर आरोपों की जांच पुलिस को क्यों नहीं करनी चाहिए? यह सही है कि विशेषाधिकार के चलते उच्चतर न्यायपालिका के जजों पर लगे गंभीर आरोपों की जांच पुलिस सीधे नहीं कर सकती और उसे सुप्रीम कोर्ट की अनुमति लेनी होती है, लेकिन यशवंत वर्मा के मामले में तो जांच रिपोर्ट मिल जाने के बाद भी शीर्ष अदालत ने पुलिस को जांच के कोई निर्देश नहीं दिए थे। बात केवल यशवंत वर्मा की ही नहीं है।

ईरान और इजराइल अब एक बड़े संघर्ष की ओर बढ़ रहे हैं

इजराइल ने ईरान पर जो दुस्साहसी प्रहार किया है, उससे मध्य–पूर्व में एक और युद्ध छिड़ सकता है। ऐसे में ट्रम्प के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि इस क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की रक्षा कैसे करें और इस मुसीबत से अमेरिका को जितना सम्भव हो उतना दूर कैसे रखें। नेतन्याहू ने अपने इस नए सैन्य–अभियान को यह कहकर उचित ठहराया है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। और यह सच है कि ईरान ने इतने पैमाने पर यूरेनियम को एनरिच कर लिया था कि उससे इजराइल के लिए चिंताजनक हालात निर्मित हो गए थे। यूरेनियम एनरिचमेंट एटम बम बनाने की प्रक्रिया है, जिसके तहत यूरेनियम में यूरेनियम–235 के कंसंट्रेशन को बढ़ाया जाता है। माना जा रहा था कि ईरान को कई एटम बम बनाने के लिए जरूरी सामग्री प्राप्त करने में बस कुछ ही सप्ताह बाकी थे, हालांकि बम बनाने और उन्हें डिलीवर करने के तरीके तक पहुंचने में अभी ईरान को बहुत समय लगता। लेकिन ईरान के बढ़ते खतरनाक मंसूबों का एक प्रमुख कारण ईरान के साथ अपने व्यवहार में नेतन्याहू और ट्रम्प द्वारा अतीत में की गई भारी गलतियां भी थीं। नेतन्याहू के मजबूत समर्थन के चलते ट्रम्प ने 2018 में ओबामा द्वारा किए परमाणु समझौते से खुद को अलग कर लिया था, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी हद तक नियंत्रित किया गया था। ट्रम्प को उम्मीद थी कि इसके बाद ईरान घुटनों पर चलकर उनके पास आएगा और रियायतों की मांग करेगा। लेकिन ईरान ने इसके उलट अपने यूरेनियम एनरिचमेंट में तेजी ला दी। एक पूर्व इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने 2018 की डील को रद्द करने के फैसले को एक हादसा बताया है, वहीं दूसरे ने कहा है कि यह एक ऐतिहासिक भूल थी। नेतन्याहू की आक्रामकता तब भी काम नहीं आई थी, और अब भी इसके कारगर होने की संभावना नहीं लगती। ईरान पर इजराइल की हालिया बमबारी का मकसद ईरान के साथ मूल परमाणु समझौते को कुछ हद तक बहाल करने के ट्रम्प के हालिया कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर करना भी हो सकता है। इस पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी कि इजराइल की ईरान पर इस बमबारी के क्या परिणाम होते हैं। लेकिन इस बात पर हमेशा से संदेह किया जाता रहा है कि क्या ईरान के परमाणु–कार्यक्रम स्थल को नष्ट किया जा सकता है? कम से कम अमेरिकी बंकर–बस्टर बमों के बिना तो यह मुमकिन नहीं है, क्योंकि वह जमीन के भीतर बहुत गहराई में स्थित है। यह स्पष्ट नहीं है कि इसे निशाना बनाया गया है या नहीं। इजराइल ने उन आवासों पर भी बमबारी की है, जहां परमाणु वैज्ञानिक रहते हैं, और यह कदम अधिक असरदार हो सकता है। सैन्य विशेषज्ञ वर्षों से कहते आ रहे हैं कि ईरान के लिए अपने सेंट्रीफ्यूज बदलना सरल है, लेकिन नए परमाणु वैज्ञानिकों को खोजना उसके लिए टेढ़ी खीर होगी। लेकिन नतीजे उलटे भी हो सकते हैं, क्योंकि इस तरह के हमले ईरान के परमाणु हथियारों के लिए अभियान को और तेज कर सकते हैं। इसके लिए ईरानी नेताओं द्वारा तर्क दिया जाएगा कि इससे पता चलता है उनके मुल्क को न्यूक्लियर डिटरेंट की कितनी आवश्यकता है। न्यूक्लियर डिटरेंट उस स्थिति को कहते हैं, जब किसी देश के परमाणु–हथियार सम्पन्न होने पर दूसरे देश उस पर हमला करने से बचते हैं। यहां इस बात को याद रखना जरूरी है और ईरान की मेरी रिपोर्टिंग–यात्राओं में भी यह सामने आया है कि ईरान के लोगों में उनकी हुकूमत बहुत अलोकप्रिय हो चुकी है। आम ईरानी श्रमिक, किसान आदि लगातार भ्रष्टाचार, पाखंड और आर्थिक कुप्रबंधन के बारे में शिकायत करते रहते हैं। इसके बावजूद विदेशी हमले की स्थिति में वे सभी ईरानी झंडे के नीचे एकजुट होंगे।

भारत को लंबे कूटनीतिक एवं सैन्य संग्राम के लिए कमर कसनी होगी

श्रीराम चौलिया

कार्ल मार्क्स ने कहा था, 'इतिहास खुद को दोहराता है–पहले त्रासदी के रूप में और फिर मजाक के रूप में।' कट्टर जिहादी सोच वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष और फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में भोज के लिए बुलाकर और पाकिस्तान से गहरे सामरिक तालमेल की पेशकश करके मार्क्स के कथन को प्रासंगिक कर दिया। 1980–88 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जियाउल हक को गले लगाया था। फिर राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ को। क्या करीब हर 20 वर्षों में खेले जा रहे इस खतरनाक खेल का तीसरा अध्याय अब आरंभ हुआ है? जनरल जिया और मुशर्रफ की तुलना में मुनीर पाकिस्तान के औपचारिक राष्ट्राध्यक्ष नहीं हैं, पर उन्हें उसी तरह का रुतबा हासिल है। अमेरिका अतीत में भी पेश किए जा चुके भूराजनीतिक तर्कों के आधार पर ही नए सिरे से पाकिस्तान को अपने करीब लाने की कोशिश कर रहा है। रीगन को जिया की जरूरत इसलिए पड़ी थी, क्योंकि वे पाकिस्तान के पड़ोसी देश अफगानिस्तान से सोवियत संघ को वापस धकेलना चाहते थे। अमेरिका को अपने सहायक के रूप में लड़ने के लिए मुजाहिदीन चाहिए थे। वे पाकिस्तान ने उपलब्ध कराए। जिया खुद जिहादी प्रवृत्ति के थे। एक समय उन्होंने कश्मीर हड़पने के इरादे से भारत के खिलाफ जिहाद का आह्वान किया था। तब अमेरिका ने इसकी अनदेखी की थी, क्योंकि उसका मकसद साम्यवाद को टक्कर देना था।

रीगन की भांति ही बुश ने भी मुशर्रफ को अरबों डालर की आर्थिक और सैन्य मदद देकर अफगानिस्तान में बदलाव के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया। तब अमेरिका को उस कट्टर जिहादी तालिबान की सरकार गिरानी थी, जिसने अमेरिका में 9/11 हमलों के जिम्मेदार ओसामा बिन लादेन को शरण दी थी। अमेरिका के पैसे और हथियारों से लैस पाकिस्तान ने दोनों बार अपनी उपयोगिता सिद्ध की, पर दोहरा खेल भी खेला। उसने अमेरिका को कुछ हद तक खुश रखते हुए दक्षिण एशिया में जिहादी जहर घोला। उसके इसी पाखंड से ऊबकर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान को सैन्य सहायता पूर्णतः रोक दी थी। 2018 में पाकिस्तान को 'झूठा और धोखेबाज' कहने वाले ट्रंप आज उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। दरअसल विश्व राजनीति में फिर ऐसा मोड़ आया है, जब अमेरिका को अपने भूराजनीतिक लक्ष्यों को साधने के लिए पाकिस्तान की जरूरत आन पड़ी है। इसीलिए वह उसे रिझा रहा है। पाकिस्तान के पड़ोसी ईरान पर अमेरिका के निकटतम साथी इजरायल ने हमला बोल दिया है। इस हमले का अंतिम उद्देश्य तेहरान में तख्तापलट है। ट्रंप ने मुनीर के साथ बैठक में ईरान पर चर्चा की और यह भी कहा कि इस मामले पर पाकिस्तान 'मुझसे सहमत है।' अमेरिका को लगता है कि शिया ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई जैसे सर्वोच्च नेता की तानाशाही के खात्मे के लिए सुन्नी पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। अमेरिका ने पाकिस्तान को इसके लिए भी शाबाशी दी कि वह अफगान–पाकिस्तान सीमा पर इस्लामिक स्टेट के आतंकियों को पकड़ने और उन्हें मार गिराने में वाशिंगटन का 'अभूतपूर्व साझेदार' बन गया है। भारत को अंदेशा है कि इस सबके चलते अमेरिका पहलगाम जैसे पाकिस्तानी बर्बर आतंकी कृत्यों की अनदेखी कर सकता है। वैसे तो ट्रंप भारत के आतंक विरोधी अभियान को समर्थन का वादा करते हैं और चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को करीब लाना चाहते हैं, पर यह स्पष्ट ही है कि महाशक्तियों की रणनीति एक देश के हितों तक सीमित नहीं रहती। फिलहाल वाशिंगटन का प्रमुख लक्ष्य ईरान में बदलाव और अमेरिका पर हमला करने की ताक में रहने वाले इस्लामिक स्टेट से निपटना है। अगर मुनीर ट्रंप के साथ सौदा करते हैं और पाकिस्तान अमेरिका से पुनः सैन्य सामग्री और आर्थिक लाभ लेने लगता है तो इससे अमेरिका पाकिस्तान को चीन के साये से भी बाहर निकाल सकता है। अमेरिका का रणनीतिक लक्ष्य व्यापक और बहुआयामी है, जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से मेल खाता नहीं दिख रहा है। यदि अमेरिका पाकिस्तान को चीन के चंगुल से निकालने में सफल हो जाता है तो इससे भारत का भला होगा, पर यदि पाकिस्तान अमेरिका की शरण में जाकर भारत में पहलगाम जैसे जघन्य जिहादी हमले कराने का दुस्साहस करेगा तो इससे भारत को खतरा बढ़ जाएगा। ट्रंप की मानें तो उन्होंने मुनीर को इस कारण धन्यवाद जताने के लिए अमेरिका आमंत्रित किया, क्योंकि पाकिस्तान ने भारत से युद्ध करने से परहेज किया।

ट्रंप ने मुनीर की कथित सूझबूझ को सराहा और उनकी बराबरी भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से करते हुए कहा कि दोनों की परिपक्वता के चलते अमेरिका ने दक्षिण एशिया में परमाणु युद्ध रोक दिया। ऐसे बेबुनियाद दावे खारिज करने के ही लिए ट्रंप से फोन पर वार्ता में मोदी ने दो टूक कहा कि कश्मीर पर किसी भी देश की मध्यस्थता भारत को कतई मंजूर नहीं है। कनाडा में जी–7 शिखर सम्मेलन में भी मोदी ने आतंक की जड़ पर सबका ध्यान केंद्रित करते हुए आतंकवाद पर विकसित देशों के दोहरे मापदंड की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित देश 'किसी भी देश पर आर्थिक प्रतिबंध लगा देते हैं, पर आतंकवाद का खुलेआम समर्थन करने वाले देशों को पुरस्कृत करते हैं।' आतंक–आतंक में अंतर स्वार्थी सोच है। इसके कारण ही विश्व समुदाय आतंक की समस्या पर काबू नहीं कर पाया है। भारत को पाकिस्तान का आतंकी चेहरा सामने लाने और उसे काबू में रखने का प्रयास करते रहना होगा। भारत को लंबे कूटनीतिक–सैन्य संग्राम के लिए कमर कसनी होगी, क्योंकि महाशक्तियों की चिरपरिचित दोहरी मानसिकता और पाकिस्तान के बिकाऊ रवैये से साफ होता है कि आतंकवाद पर अंकुश लगाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की सीमाएं हैं। अमेरिका को अपने सहायक के रूप में लड़ने के लिए मुजाहिदीन चाहिए थे। वे पाकिस्तान ने उपलब्ध कराए। जिया खुद जिहादी प्रवृत्ति के थे। एक समय उन्होंने कश्मीर हड़पने के इरादे से भारत के खिलाफ जिहाद का आह्वान किया था। तब अमेरिका ने इसकी अनदेखी की थी, क्योंकि उसका मकसद साम्यवाद को टक्कर देना था। रीगन की भांति ही बुश ने भी मुशर्रफ को अरबों डालर की आर्थिक और सैन्य मदद देकर अफगानिस्तान में बदलाव के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया। तब अमेरिका को उस कट्टर जिहादी तालिबान की सरकार गिरानी थी, जिसने अमेरिका में 9/11 हमलों के जिम्मेदार ओसामा बिन लादेन को शरण दी थी।

अमेरिका के पैसे और हथियारों से लैस पाकिस्तान ने दोनों बार अपनी उपयोगिता सिद्ध की, पर दोहरा खेल भी खेला। उसने अमेरिका को कुछ हद तक खुश रखते हुए दक्षिण एशिया में जिहादी जहर घोला। उसके इसी पाखंड से ऊबकर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान को सैन्य सहायता पूर्णतः रोक दी थी। 2018 में पाकिस्तान को 'झूठा और धोखेबाज' कहने वाले ट्रंप आज उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। दरअसल विश्व राजनीति में फिर ऐसा मोड़ आया है, जब अमेरिका को अपने भूराजनीतिक लक्ष्यों को साधने के लिए पाकिस्तान की जरूरत आन पड़ी है। इसीलिए वह उसे रिझा रहा है। पाकिस्तान के पड़ोसी ईरान पर अमेरिका के निकटतम साथी इजरायल ने हमला बोल दिया है। इस हमले का अंतिम उद्देश्य तेहरान में तख्तापलट है। ट्रंप ने मुनीर के साथ बैठक में ईरान पर चर्चा की और यह भी कहा कि इस मामले पर पाकिस्तान 'मुझसे सहमत है।' अमेरिका को लगता है कि शिया ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई जैसे सर्वोच्च नेता की तानाशाही के खात्मे के लिए सुन्नी पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। अमेरिका ने पाकिस्तान को इसके लिए भी शाबाशी दी कि वह अफगान–पाकिस्तान सीमा पर इस्लामिक स्टेट के आतंकियों को पकड़ने और उन्हें मार गिराने में वाशिंगटन का 'अभूतपूर्व साझेदार' बन गया है। भारत को अंदेशा है कि इस सबके चलते अमेरिका पहलगाम जैसे पाकिस्तानी बर्बर आतंकी कृत्यों की अनदेखी कर सकता है। वैसे तो ट्रंप भारत के आतंक विरोधी अभियान को समर्थन का वादा करते हैं और चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को करीब लाना चाहते हैं, पर यह स्पष्ट ही है कि महाशक्तियों की रणनीति एक देश के हितों तक सीमित नहीं रहती। फिलहाल वाशिंगटन का प्रमुख लक्ष्य ईरान में बदलाव और अमेरिका पर हमला करने की ताक में रहने वाले इस्लामिक स्टेट से निपटना है।

अमेरिका को अपने सहायक के रूप में लड़ने के लिए मुजाहिदीन चाहिए थे। वे पाकिस्तान ने उपलब्ध कराए। जिया खुद जिहादी प्रवृत्ति के थे। एक समय उन्होंने कश्मीर हड़पने के इरादे से भारत के खिलाफ जिहाद का आह्वान किया था। तब अमेरिका ने इसकी अनदेखी की थी, क्योंकि उसका मकसद साम्यवाद को टक्कर देना था। रीगन की भांति ही बुश ने भी मुशर्रफ को अरबों डालर की आर्थिक और सैन्य मदद देकर अफगानिस्तान में बदलाव के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया। तब अमेरिका को उस कट्टर जिहादी तालिबान की सरकार गिरानी थी, जिसने अमेरिका में 9/11 हमलों के जिम्मेदार ओसामा बिन लादेन को शरण दी थी। अमेरिका के पैसे और हथियारों से लैस पाकिस्तान ने दोनों बार अपनी उपयोगिता सिद्ध की, पर दोहरा खेल भी खेला।

देश में लगातार बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है

इस जनगणना से भारत में गरीबी, शिक्षा, लोगों की आय, लिंगानुपात, जाति, पंथ, अमीरी–गरीबी, युवा–बुजुर्ग इत्यादि की तस्वीर साफ होगी। अभी हम युवा देश हैं, परंतु हाल में देश में लिंगानुपात से संबंधित जो रपटें आई हैं, उनमें देश में वृद्धजनों की बढ़ती आबादी का आकलन किया गया है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पहली रिपोर्ट प्लेसेस नामक जर्नल में प्रकाशित हुई है। इसके आंकड़े बताते हैं कि आज भारत का हर चौथा–पांचवां बुजुर्ग स्मृति लोप, भाषा का ठीक से प्रयोग न करने, सोचने–समझने एवं निर्णय लेने की क्षमता के कमजोर हो जाने जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। दूसरी रिपोर्ट भारतीय स्टेट बैंक ने जारी की है।

डॉ. विशेष गुप्ता

देश में 16वीं जनगणना की अधिसूचना जारी हो चुकी है। देश में यह पहली ऐसी जनगणना होगी, जहां आंकड़ों का संकलन कागज–कलम से न होकर डिजिटल आधार पर किया जाएगा। 2011 के बाद होने वाली इस जनगणना में जाति गणना भी शामिल होगी। इस जनगणना से भारत में गरीबी, शिक्षा, लोगों की आय, लिंगानुपात, जाति, पंथ, अमीरी–गरीबी, युवा–बुजुर्ग इत्यादि की तस्वीर साफ होगी। अभी हम युवा देश हैं, परंतु हाल में देश में लिंगानुपात से संबंधित जो रपटें आई हैं, उनमें देश में वृद्धजनों की बढ़ती आबादी का आकलन किया गया है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पहली रिपोर्ट प्लेसेस नामक जर्नल में प्रकाशित हुई है। इसके आंकड़े बताते हैं कि आज भारत का हर चौथा–पांचवां बुजुर्ग स्मृति लोप, भाषा का ठीक से प्रयोग न करने, सोचने–समझने एवं निर्णय लेने की क्षमता के कमजोर हो जाने जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। दूसरी रिपोर्ट भारतीय स्टेट बैंक ने जारी की है। इसके अनुसार भारत की कामकाजी आबादी की औसत आयु 2021 में 24 वर्ष के मुकाबले साल 2026 में बढ़कर 28–29 वर्ष हो जाएगी। आज चीन की कामकाजी औसत आयु 39.5 साल है। वहीं यूरोप में यह 42 साल, उत्तरी अमेरिका में 38 एवं एशिया में 32 साल है। वैश्विक स्तर पर यह औसत आयु 30.4 वर्ष दर्ज की गई है। एसबीआइ की रिपोर्ट संकेत देती है कि भारत में शून्य से चौदह साल के बच्चों की आबादी में गिरावट आ रही है। 1991 में इनकी जो आबादी 36.4 करोड़ थी, वह 2026 में घटकर 34 करोड़ रहने वाली है। आबादी में 1991 में इनकी जो हिस्सेदारी 37 प्रतिशत थी, वह वर्ष 2026 में घटकर 24.3 प्रतिशत रह जाएगी। इस प्रकार 60 साल से अधिक उम्र के लोगों की आबादी विगत ढाई दशक में बढ़कर दोगुनी हो गई है। इसका अर्थ है कि 2001 में बुजुर्गों की जो आबादी 7.9 करोड़ थी, वह साल 2026 में बढ़कर 15 करोड़ के आसपास पहुंच जाएगी। इनमें 7.7 करोड़ पुरुष तथा 7.3 करोड़ महिलाएं होंगी। इसी तरह वर्ष 2001 में देश में जो कामकाजी आबादी 58.6 करोड़ थी, 2026 में इसके बढ़कर 91 करोड़ होने का अनुमान है। माना जा रहा है कि अगली जनगणना में देश की कुल आबादी में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी कामकाजी लोगों की होगी। इसी संदर्भ में तीसरी रिपोर्ट केंद्र सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय ने प्रकाशित की है। यह बताती है कि देश में 2036 तक बच्चों एवं किशोरों की आबादी में गिरावट दर्ज होगी और बुजुर्गों एवं मध्यम उम्र के लोगों की संख्या बढ़ेगी। इस रिपोर्ट के अनुसार 2021 में आबादी में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की हिस्सेदारी 26.2 प्रतिशत थी, लेकिन 2026 में यह घटकर 20.6 प्रतिशत रह जाएगी। 2021 में 35–49 आयुवर्ग के लोगों की आबादी में हिस्सेदारी 19.1 प्रतिशत थी, परंतु 2026 में इस आयुवर्ग का प्रतिशत बढ़कर 23 प्रतिशत हो जाएगा। वर्तमान में देश की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों का प्रतिशत 9.5 है। 2036 में ऐसे लोगों की आबादी बढ़कर 13.9 प्रतिशत हो जाएगी। चौथी रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की है। इसमें कहा गया है कि अगले 25 वर्षों में भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 20.8 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। अर्थात देश में हर पांचवां व्यक्ति बुजुर्ग की श्रेणी में होगा। 2024–2050 के बीच देश की कुल आबादी 18 प्रतिशत ही बढ़ेगी, मगर वृद्ध जनसंख्या में 134 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होगी। इस रिपोर्ट के अनुसार 2022–2023 तक भारत में बुजुर्गों की आबादी 14.9 करोड़ थी। यानी कुल आबादी में इनका हिस्सा 10.5 प्रतिशत था। इस तरह देश में 100 कामकाजी लोगों पर 16 वृद्धजन निर्भर हैं। इससे देश में कामकाजी युवाओं और वृद्धजनों के बीच संतुलन के बिगड़ने की आशंका है। अभी संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम जनसांख्यिकी रिपोर्ट से पता चला है कि 2025 के अंत तक भारत की आबादी दुनिया में सर्वाधिक 1.46 अरब तक पहुंच जाएगी। इस रिपोर्ट से देश की जनसंख्या संरचना, प्रजनन क्षमता एवं जीवन प्रत्याशा में भविष्य में बड़े परिवर्तन के संकेत मिलते हैं। उपरोक्त रपटों का सार यही है कि यदि भारत में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है तो फिलहाल उससे कहीं बढ़े हुए अनुपात में कामकाजी युवक–युवतियों की संख्या भी बढ़ रही है। आज ब्रिक्स देशों में जन्म दर और जनसंख्या वृद्धि दर साल दर साल घट रही है। जापान, फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया एवं ब्रिटेन जैसे देशों में जनसंख्या के बढ़ने का स्तर अमूमन शून्य हो चुका है। निःसंदेह भविष्य में वहां वृद्धजनों की संख्या बढ़ेगी और कार्यशील जनसंख्या कम होती जाएगी। इससे उनका उत्पादन स्वतः ही घटेगा। भविष्य में भारत उन देशों में प्रमुख होगा, जहां कार्यशील युवा जनसंख्या सबसे अधिक होगी। प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक जिस विकसित भारत की कल्पना कर रहे हैं, उसके लिए यदि युवाओं की ऊर्जा, शक्ति, उत्साह और सामर्थ्य देश के काम आएगा तो उसी अनुपात में वरिष्ठजनों का अनुभव भी भारत के निर्माण में पथ प्रदर्शक का कार्य करेगा। फिर भी आज की आवश्यकता यही है कि युवाओं के बेहतर भविष्य के साथ वरिष्ठजनों के लिए सामाजिक–आर्थिक सुरक्षा के भी प्रबंध हों। इस जनगणना से भारत में गरीबी, शिक्षा, लोगों की आय, लिंगानुपात, जाति, पंथ, अमीरी–गरीबी, युवा–बुजुर्ग इत्यादि की तस्वीर साफ होगी। अभी हम युवा देश हैं, परंतु हाल में देश में लिंगानुपात से संबंधित जो रपटें आई हैं, उनमें देश में वृद्धजनों की बढ़ती आबादी का आकलन किया गया है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पहली रिपोर्ट प्लेसेस नामक जर्नल में प्रकाशित हुई है। इसके आंकड़े बताते हैं कि आज भारत का हर चौथा–पांचवां बुजुर्ग स्मृति लोप, भाषा का ठीक से प्रयोग न करने, सोचने–समझने एवं निर्णय लेने की क्षमता के कमजोर हो जाने जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। दूसरी रिपोर्ट भारतीय स्टेट बैंक ने जारी की है। इसके अनुसार भारत की कामकाजी आबादी की औसत आयु 2021 में 24 वर्ष के मुकाबले साल 2026 में बढ़कर 28–29 वर्ष हो जाएगी। आज चीन की कामकाजी औसत आयु 39.5 साल है। वहीं यूरोप में यह 42 साल, उत्तरी अमेरिका में 38 एवं एशिया में 32 साल है। वैश्विक स्तर पर यह औसत आयु 30.4 वर्ष दर्ज की गई है। एसबीआइ की रिपोर्ट संकेत देती है कि भारत में शून्य से चौदह साल के बच्चों की आबादी में गिरावट आ रही है। 1991 में इनकी जो आबादी 36.4 करोड़ थी, वह 2026 में घटकर 34 करोड़ रहने वाली है। आबादी में 1991 में इनकी जो हिस्सेदारी 37 प्रतिशत थी, वह वर्ष 2026 में घटकर 24.3 प्रतिशत रह जाएगी। इस प्रकार 60 साल से अधिक उम्र के लोगों की आबादी विगत ढाई दशक में बढ़कर दोगुनी हो गई है। इसका अर्थ है कि 2001 में बुजुर्गों की जो आबादी 7.9 करोड़ थी, वह साल 2026 में बढ़कर 15 करोड़ के आसपास पहुंच जाएगी। इनमें 7.7 करोड़ पुरुष तथा 7.3 करोड़ महिलाएं होंगी। इसी तरह वर्ष 2001 में देश में जो कामकाजी आबादी 58.6 करोड़ थी,।

अपने मूल्यांकन से आपको वैश्विक पहचान मिल सकती है!

वो स्कूल बंद होने वाला था। सरकारी नियमों के अनुसार भी उसे बंद होना पड़ता, क्योंकि 2006 में शुरू हुए स्कूल में 2023 में महज तीन ही छात्र बचे थे। राज्य सरकार के नियम भी कहते हैं कि 10 से कम विद्यार्थी वाले स्कूल बंद होने चाहिए। वह साल 2023 का समय था, जब स्कूल के नए प्रिंसिपल दत्तात्रेय वारे ने वहां पद संभाला। अब हम सीधे 2025 पर आते हैं। पुणे से 50 किमी दूर जलिंदर नगर के खेड़ तालुका स्थित इस मराठी माध्यम के स्कूल ने ना सिर्फ खुद को जीवंत किया, बल्कि आज इसमें कक्षा एक से सात तक के 120 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इससे भी ज्यादा विद्यालय को 'स्कूल विकास में सामुदायिक भागीदारी' श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय पहचान भी मिली है। स्कूल को यह पहचान यूके के 'द टी4 एजुकेशन कॉम्पिटीशन' के कारण मिली, जो हर साल दुनियाभर में उत्कृष्ट स्कूलों को मान्यता देता है और उन्हें विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों की श्रेणी में लाता है। यह उन स्कूलों को हाईलाइट कर रहा है, जो अपने नवाचारों से छात्रों और समुदाय पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं। आपके दिमाग में कई सवाल आ रहे होंगे जैसे 'उन्होंने यह कैसे किया? वो भी एक जिला परिषद स्कूल ने महज दो सालों में?' 'कैसे उन्होंने यह अन्तरराष्ट्रीय पहचान हासिल की?' मैं आपको इनके जवाब देता हूं। नए प्रिंसिपल वारे ने जॉइन करने के बाद खुद आगे होने के बजाय लोकेलिटी में रहने वाले बच्चों के माता–पिता को आगे किया। प्रिंसिपल ने उन पर भरोसा जताया, क्योंकि कौन से अभिभावक ऐसे होंगे, जो अपने बच्चों को सफल नहीं देखना चाहते। प्रिंसिपल ने उनसे इस बारे में बातचीत की कि निजी स्कूलों में ऐसा क्या है, जो अभिभावकों को आकर्षित करता है और इस जिला परिषद स्कूल में क्या और जोड़ा जा सकता है। दोनों ने मिलकर ना सिर्फ आधुनिक लर्निंग टूल्स, कौशल आधारित प्रशिक्षण और चीजों को प्रयोग कर उनके बारे में सीखने जैसे वृहद क्षेत्रों की, बल्कि कंप्यूटिंग, एआई, कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कला–शिल्प जैसे अनिवार्य कौशल भी पहचाने। फिर हर अभिभावक ने अपनी विशेषज्ञतानुसार अपनी भूमिका तय की। जैसे किसी की इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है तो उसने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण दिए। दूसरा कम्प्यूटर विशेषज्ञ है तो उसने फ्री ट्रेनिंग की पेशकश की। जब ऐसे छोटे–बड़े योगदानों को सम्मान मिला तो ये बात जंगल की आग की तरह फैल गई और छोटे से कस्बे में मदद के लिए और लोग आगे आए। जब माता–पिता ने इस प्रक्रिया में हिस्सा लेना शुरू किया और घरों में रात को डिनर के समय परिवार में अपने योगदान पर बातचीत होने लगी, तो स्वाभाविक तौर पर बच्चे और अधिक रुचि लेने लगे। ऐसी सामूहिक सहभागिता के चलते बच्चों की जिज्ञासा और बढ़ी। चूंकि वे ही ये लाभ पाने वाले थे, इसलिए उन्होंने सोशल मीडिया से सीखी मांगें रखीं। जिस स्कूल ने कभी इतने छात्रों की कल्पना तक नहीं की थी, वह इसरो जैसे संस्थानों के शिविरों में भाग लेने लगा। इससे छात्रों की रुचि और बढ़ी। हर छोटी उपलब्धि से कस्बे का उल्लास बढ़ता जाता। पर वारे खुद को और अपने स्कूल को किसी और चीज में परखना चाहते थे, यहीं उनकी नजर 'टी4 एजुकेशन कॉम्पिटीशन' पर पड़ी। उन्होंने आवेदन किया और अर्जेंटीना की एक टीम के साथ ऑनलाइन साक्षात्कार में अभिभावक शामिल हुए और अभिभावकों ने अंग्रेजी में बात भी की। इस प्रकार ये स्कूल 'सामुदायिक भागीदारी' की श्रेणी में चयनित होने वाला देश का पहला और एक मात्र सरकारी स्कूल बना। जाहिर तौर पर महाराष्ट्र से भी ये दुनिया के शीर्ष 10 में शामिल होने वाला पहला स्कूल था। यह सिर्फ एक अवॉर्ड ही नहीं है, बल्कि इसने दुनिया के नवाचारों वाले श्रेष्ठ स्कूलों के बड़े नेटवर्क का निर्माण भी किया है, जिससे नए विचारों के साथ सर्वश्रेष्ठ करने की उनकी गति भी बढ़ी है। ध्यान रखें कि मूल्यांकन आत्म परीक्षण नहीं है, बल्कि यह सफलता के लिए एक नेटवर्क बनाना है। फंडा यह है कि यदि आप अपनी मानसिक संतुष्टि के लिए हर वैश्विक मानदंड पर खुद का मूल्यांकन करते रहेंगे तो क्या पता कि कि आपके सामने कोई ऐसी खिड़की खुल जाए जो आपको ग्लोबल ट्रॉफी दिला दे और अपनी श्रेणी में आपको सर्वश्रेष्ठ का ताज पहना दे! यह उन स्कूलों को हाईलाइट कर रहा है, जो अपने नवाचारों से छात्रों और समुदाय पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं। आपके दिमाग में कई सवाल आ रहे होंगे जैसे 'उन्होंने यह कैसे किया?

गांवों में फाल्ट सुधारने नहीं पहुंचते जिम्मेदार

सरौलीगौसपुर जाने वाले मार्ग पर मधनापुर गांव के निकट गिरा बिजली का खंभा

बाराबंकी (संवाददाता)। भीषण गर्मी में लोगों की रातें बेचौनी में कट रही हैं। पावर कार्पोरेशन की लापरवाही ने हालात और बदतर कर दिए हैं। एक तरफ लगातार फाल्ट हो रहे हैं तो दूसरी तरफ उन्हें दुरुस्त करने वाला कोई नहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात इतने खराब हैं कि नौ–नौ घंटे बिजली नहीं मिल पा रही है। करीब 70 गांवों के लोग परेशान हैं। शहर भी अघोषित कटौती व ट्रिपिंग से कराह उठा है। दोपहर एक बजे शहर के कंपनीबाग, प्रीति विहार कॉलोनी, नेहरू नगर, घोसियाना और सिविल लाइन में अचानक बिजली आपूर्ति बंद हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक गर्मी से लोग बेहाल रहे। इसके अलावा दिन में बार–बार ट्रिपिंग भी होती रही। इलाकाई जेई संतोष कुमार ने कहा कि ट्रांसफार्मर में एलटी प्रोटेक्शन यूनिट लगाने के कारण शटडाउन लिया गया था। कोटवाधाम क्षेत्र में मधनापुर गांव के पास एचटी लाइन पर जामुन के पेड़ की डाल गिरने से तीन खंभे टूट गए। इससे मधनापुर, रजनापुर, मुरई, मोहरिया, ठाकुरपुर, थानाडीह, नसीमापुर समेत 15 गांव अंधेरे में डूब गए। विभाग को सूचना देने के बाद भी शाम तक कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। करीब डेढ़ लाख लोग परेशानी झेल रहे हैं। पेड़ की टूटी डाल और खंभे सड़क पर पड़े रहे लेकिन जिम्मेदार बेखबर रहे। अधीक्षण अभियंता राजबाला का कहना है कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं, अगर कोई लापरवाही कर रहा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रामनगर के 35 गांवों में शनिवार दोपहर 12 से तीन बजे तक बिजली कटी रही। 50 हजार से ज्यादा लोग पसीने से तरबतर होकर प्रशासन को कोसते रहे। बिजली आई तो लो वोल्टेज ने फिर सिरदर्द बढ़ा दिया। फतेहपुर के बेलहरा कस्बे में महज नौ घंटे ही बिजली मिल सकी। वहीं बड्डुपुर के खिझना, शाहपुर, झरसावा, रीवा सीवा समेत 20 गांवों में लो वोल्टेज के चलते लोग शुक्रवार को पूरी रात परेशान रहे।

रोजगार मेले में छह युवाओं को मिली नौकरी

बाराबंकी (संवाददाता)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महुआमऊ में शनिवार को आयोजित रोजगार मेले में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। रोजगार की तलाश में आए इन युवाओं के चेहरों पर उम्मीद की चमक साफ दिखाई दे रही थी। जैसे ही चयन सूची जारी हुई, चयनित अभ्यर्थियों के चेहरे पर खुशी झलक उठी। टाटा कंपनी द्वारा आयोजित इस भर्ती प्रक्रिया में कुल नौ अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार दिया जिनमें से छह का चयन किया गया। रोजगार मेले में चयन प्रक्रिया ऑनलाइन रही लेकिन युवाओं में जोश देखने को मिला। रोजगार मेला अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों की कॅरिअर काउंसिलिंग की। इसमें रोजगार की बदलती संभावनाओं और तकनीकी दक्षता के महत्व पर विस्तृत चर्चा की। प्रधानाचार्य आशुतोष कुमार सिंह ने चयनित अभ्यर्थियों को मेहनत और लगन से कार्य करने की प्रेरणा दी।

सुबह-सुबह संयोग, लाखों ने किया योग

बाराबंकी (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सुबह चहुंओर योग का उत्सव दिखा। भोर से ही हर गली, मोहल्ले, स्कूल, कॉलेज और पार्क योगमय हो उठे। बच्चे, युवा व बुजुर्ग सभी ने सामूहिक योग किया। हर आयु वर्ग के लोग योग में लीन नजर आए। योगाभ्यास के साथ लोगों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का प्रण लिया। मुख्य आयोजन शहर के जीआईसी ऑडिटोरियम में हुआ। प्रभारी मंत्री सुरेश राही, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, एमएलसी अंगद कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य, डीएम शशांक त्रिपाठी समेत सैकड़ों अधिकारी–कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सूक्ष्म योग क्रियाओं से हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण सभी ने ध्यानपूर्वक सुना। केडी सिंह बाबू स्टेडियम, पुलिस लाइन, जेल, कैलाश आश्रम, आईटीआई महुआमऊ, कमला नेहरू पार्क समेत जिले भर में योग सत्र हुए। गायत्री शक्ति पीठ पर राम स्वरूप यादव ने योग कराया।

एसपी पाठक ने पुलिसकर्मियों संग कपालभाति व प्राणायाम कराया। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक घर–घर उत्साह दिखा। रामनगर यूनियन इंटर कॉलेज, कंपोजिट विद्यालय बहरौली व निंदूरा, कोटवाधाम, हैदरगढ़, फतेहपुर रामसनेहीघाट में भी सामूहिक योग सत्र हुए। जिले भर में करीब पांच लाख लोगों ने योग किया।

नलकूप से तार चोरी करते पकड़े गए बदमाश

आगरा, (संवाददाता)। थाना शमशाबाद क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। शमशाबाद पुलिस और सर्विलांस की टीम ने बाईपास रोड महरमपुर पर कार्रवाई की। बदमाश नलकूपों से तार और मोटर चोरी कर मैक्स में ले जा रहे थे। पुलिस की चेकिंग के दौरान बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश मनोज के पैर में गोली लग गई। मैक्स चालक समेत चार अन्य बदमाश मौके से फरार हो गए। पकड़े गए बदमाश मनोज के खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, चोरी किया गया सामान और मैक्स बरामद किया है। पुलिस फरार हुए बदमाशों की तलाश कर रही है। एसीपी शमशाबाद गिरीश कुमार ने बताया कि घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है,।

धारदार हथियार से अधेड़ की हत्या... बाग में पड़ा मिला शव, पुलिस कर रही जांच

सीतापुर (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में धारदार हथियार से अधेड़ की हत्या कर दी गई। रविवार की सुबह शव गांव के बाहर एक बाग में पड़ा मिला। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना अटरिया इलाके के जजौर गांव की है। गांव निवासी यमित दीक्षित के फार्म में एक शव पड़ा मिला। लोगों ने देखा तो गांव में जानकारी दी। शव की पहचान टिकौली गांव निवासी ईश्वरदीन (50) के रूप में हुई। खबर मिली को घरवाले भी रोते बिलखते पहुंच गए। एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह ने बताया कि शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है। परिजनों ने कुछ लोगों पर शक जताया है। उनको हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना अटरिया इलाके के जजौर गांव की है। गांव निवासी यमित दीक्षित के फार्म में एक शव पड़ा मिला। लोगों ने देखा तो गांव में जानकारी दी। शव की पहचान टिकौली गांव निवासी ईश्वरदीन (50) के रूप में हुई। खबर मिली को घरवाले भी रोते बिलखते पहुंच गए। एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह ने बताया कि शरीर पर चोट के निशान पाए

आजम खां से मिले अब्दुल्ला, खराब स्वास्थ्य पर जताई चिंता

सीतापुर (संवाददाता)। जिला कारागार में निरुद्ध समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां से शनिवार को उनके पुत्र अब्दुल्ला आजम ने मुलाकात की। करीब एक घंटे तक चली इस मुलाकात में अब्दुल्ला ने अपने पिता का हाल जाना।

साथ ही खाने–पीने की चीजें भी जेल में भेजीं। दोपहर करीब 12 बजे अब्दुल्ला सपा नेता यूसुफ मलिक व अनवर हुसैन के साथ कारागार पहुंचे। ऑनलाइन अनुमति लेकर जिला कारागार के अंदर गए। जेल अधिकारियों की उपस्थिति में ही सामान्य तौर से उनकी मुलाकात कराई गई। मुलाकात के बाद अब्दुल्ला बाहर आए और मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि पिता आजम खां की तबीयत जेल में ज्यादा बेहतर नहीं है।

जेल में तबीयत कैसी हो सकती है, यह तो सब जानते ही हैं। करीब एक घंटे तक चली इस मुलाकात में अब्दुल्ला ने अपने पिता का हाल जाना। साथ ही खाने–पीने की चीजें भी जेल में भेजीं।

लापता युवती का खेत में मिला शव, हत्या की आशंका

पुलिस के अनुसार गाल व होंठों पर किसी इंसान के दांत के निशान हैं

सीतापुर (संवाददाता)। लापता युवती का शव रविवार सुबह गांव में ही खेत में पड़ा मिला। परिजन शुक्रवार शाम से उसे खोज रहे थे। ग्रामीणों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने अनुसार गाल व होंठों पर किसी इंसान के दांत के निशान हैं। शरीर पर किसी धारदार हथियार से चोट नहीं मिली है।

इसलिए पुलिस प्रथमदृष्टया गला दबाकर हत्या की संभावना जता रही है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। रामपुर मथुरा के एक गांव निवासी 22 वर्षीय युवती शुक्रवार शाम करीब सात बजे घर से नित्यक्रिया के लिए गई थी। देर रात नौ बजे तक जब वह घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह गांव के ही पप्पू गौतम के मक्के के खेत में लोगों ने युवती का शव पड़े देखा। खेत युवती के घर से महज 100 मीटर की परिधि में है। सूचना मिलते ही सीओ महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव और थानाध्यक्ष कृष्ण नंदन तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मौके पर फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हर संभावित दिशा में छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। ग्रामीणों व परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। हर पहलू पर जांच की जाएगी।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी, महमूदाबाद प्रथम दृष्टया युवती के साथ अप्रिय घटना होना प्रतीत हो रहा है। गहनता से जांच की जा रही है। ग्रामीणों से सघन पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से काफी हद तक मदद मिलेगी। रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। युवती नौ–भाई बहन हैं। सूत्रों के अनुसार जब वह कभी नित्यक्रिया के लिए जाती तो किसी एक भाई या बहन को साथ ले जाती थी। चूंकि गांव के आसपास अक्सर जंगली जानवरों की चहलकदमी रहती है, इसलिए शुक्रवार को अकेले नित्यक्रिया के लिए जाना पुलिस को खटक रहा है। सूत्रों ने यह भी बताया कि युवती के कपड़े अस्त–व्यस्त नहीं मिले हैं। उसके गाल व होंठों पर किसी इंसान के दांत से काटने के निशान हैं। ऐसा लगता है कि गुस्से में दांत से काटा गया है। परिजनों के अनुसार युवती मोबाइल भी नहीं रखती थी। घर से महज 150 मीटर दूर शव मिलने व परिजनों को पता न चलना भी जांच का ही बिंदु है। युवती के परिवार में नाममात्र खेती ही है।

एक से सात जुलाई तक 43 लाख पेड़ लगेंगे

,अमेठी, (संवाददाता)। जिले में मानसून से पहले बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण की तैयारियां चल रही हैं। वन विभाग की योजना के अनुसार, एक से सात जुलाई के बीच जिले में 43 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इस अभियान के लिए विभाग ने जिले की 28 नर्सरियों में पहले से ही 62 लाख पौधे तैयार कर रखे हैं। इस वर्ष वृक्षारोपण अभियान को विशेष बनाया जा रहा है। वन विभाग विभिन्न वन वाटिकाओं का निर्माण करेगा। इनमें अटल वन, शौर्य वन और एकता वन प्रमुख हैं। महापुरुषों की स्मृति में भी विशेष वन वाटिकाएं स्थापित की जाएंगी। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में एक विशेष शौर्य वन वाटिका बनाई जाएगी, जहां सिंदूर के पौधे लगाए जाएंगे। प्रभागीय वन अधिकारी रणवीर मिश्र ने बताया कि शासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा।

पानी भरे गढ्ढे में डूबने से तीन भाइयों की मौत

दोपहर में बाग में खेलने गए थे मासूम, परिजनों में कोहराम

हरदोई (संवाददाता)। हरदोई जिले में मिट्टी खनन से हुए गड्ढे में भरे पानी में शनिवार शाम तीन ममेरे–मौसेरे भाई डूब गए। शाम तक बच्चे वापस घर नहीं पहुंचे, तो परिजन तलाशते हुए तालाब के किनारे गए। तीनों को तालाब से निकालकर सीएचसी ले जाया गया। यहां बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया। टड़ियावां थाना क्षेत्र के गौरा निवासी नरेंद्र खेती करते हैं। उनकी दो विवाहित बहनें पिहानी कोतवाली क्षेत्र के चंदेली निवासी महेश्वरी और लालपुर भैंसरी निवासी अंबेश्वरी हैं। इन दिनों अंबेश्वरी अपने पुत्र दुर्गेश (7) और महेश्वरी अपने पुत्र कार्तिक (7) के साथ मायके आई हुई है। शनिवार दोपहर बाद लगभग तीन बजे नरेंद्र का पुत्र अवनीश (6), कार्तिक और दुर्गेश घर से कुछ दूर स्थित बाग में खेलने गए थे। बाग में खेलने के बाद यह लोग आगे स्थित एक खेत में चले गए। इसी खेत में मिट्टी का खनन पिछले दिनों कराया गया था। इसके कारण यहां गड्ढा था। दो दिन से हो रही बारिश का पानी गड्ढे में भरा था। इसी पानी में तीनों बच्चे डूब गए। शाम को साढ़े पांच बजे तक बच्चे वापस घर नहीं पहुंचे, तो नरेंद्र का छोटा भाई शत्रुघ्न उन्हें तलाशने निकला। इसी दौरान खेत में गीली मिट्टी में बच्चों के पैर के निशान नजर आए, तो वह गड्ढे की तरफ गया। गड्ढे में उतरकर देखा, तो तीनों बच्चे बेसुध पड़े थे। तीनों को निकालकर सीएचसी टड़ियावां ले जाया गया। यहां तीनों को मृत घोषित कर दिया गया। घटना का पता चलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच शुरू की है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक नरेंद्र के छोटे भाई शत्रुघ्न के घर 11 जून को बेटे का जन्म हुआ था। इसी खुशी में उसकी दोनों विवाहित बहनें अपने बच्चों के साथ मायके आई थीं। दोनों के पति भी आए थे, लेकिन वह लोग कार्यक्रम में शामिल होकर वापस चले गए। घर में बेटे का जन्म होने से खुशी का माहौल था। शनिवार को तीन बजे तीनों बच्चे खेलने गए और फिर इसी दौरान जान गंवा बैठे। कार्तिक की मौत की जानकारी से मां महेश्वरी बदहवास हो गई। अपने पति को फोन पर घटना की जानकारी देते समय वह बिलख पड़ी। कार्तिक अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था। इसी तरह दुर्गेश भी अंबेश्वरी और पिंटू का इकलौता पुत्र था। घटना की जानकारी पर अंबेश्वरी को संभालना मुश्किल हो गया। घटना का पता चलने पर दोनों के परिजन भी सीएचसी पहुंच गए। खनन से हुए गड्ढे में भरे पानी में डूबकर तीन बच्चों की मौत की जानकारी हुई है।

कागजों पर दिखाया मजदूरों से काम, मौके पर चलाई जेसीबी

हरदोई (संवाददाता)। डीएम और सीडीओ की सख्ती के बाद भी पंचायत प्रतिनिधि और कर्मचारी खेल करने से बाज नहीं आ रहे। टोडरपुर विकास खंड के पीला महुआ गांव में तालाब खोदाई के नाम पर मजदूरों के मस्टर रोल फीड कर दिए गए। मौके पर मजदूर काम करने गए ही नहीं और जेसीबी से तालाब की खोदाई करा दी गई। प्राथमिक जांच में खेल पकड़ में आ गया। अब कराए गए कार्य को श्रमदान घोषित कर फीड किए गए मस्टर रोल को शून्य करने की संस्तुति की गई है। टोडरपुर विकास खंड की ग्राम पंचायत पीला महुआ में लगभग पांच लाख रुपये से तालाब की खोदाई होनी थी। तालाब की खोदाई के लिए मजदूरी के मस्टर रोल फीड किए गए थे। तालाब के दो तरफ बंधा बनाने के लिए मजदूरों से काम कराया गया। इस पर एक एक लाख, 64 हजार, 304 रुपये खर्च किए गए। इसके बाद 14 जून से 27 जून तक कार्य कराने के लिए मस्टर रोल फीड किए गए।

साहब ! प्रधानमंत्री आवास दिलाने के लिए रुपये लिए, आवास मिला न रुपये

हरदोई (संवाददाता)। साहब! प्रधानमंत्री आवास शहरी दिलाने के लिए नगर पालिका के पूर्व सभासद ने रुपये लिए थे। न तो आवास मिला और न ही रुपये वापस कर रहे हैं। रुपये मांगने पर धमकाते हैं। यह शिकायत मोहल्ला अल्हापुर सैदीखेल की कुसुमा, बबिता और मुन्नी ने डीएम अनुनय झा से की। महिलाओं ने रुपये वापस दिलाने की गुहार लगाई। ऐसे ही अन्य लोगों ने भी अपनी–अपनी समस्या बताई। डीएम ने तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की। लोगों की शिकायतों को सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। वहां पर भाकियू की तरफ से शिकायत की गई कि शाहाबाद–पाली मार्ग पर आगमपुर में बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुलिया अभी तक नहीं बन सकी। इससे लोगों को आवागमन में दिक्कतें होती हैं। भदासी के निकेश कुमार ने दिए शिकायत पत्र में कहा कि नगर क्षेत्र का पानी भदासी होते हुए गर्रा नदी में जाता है। नाले की सफाई न होने से बरसात में भदासी गांव की सैकड़ों बीघा फसल जलभराव होने से डूब जाती है। डीएम ने अधिकारियों को पारदर्शिता के साथ प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के निर्देश दिए। एसपी नीरज कुमार जादौन ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वह शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें। 246 शिकायतें दर्ज की गईं, जिसमें 12 का मौके पर निस्तारण किया गया। एसडीएम तान्या सिंह, सीओ अनुज मिश्रा, तहसीलदार अजय कुमार आदि विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बिलग्राम तहसील सभागार में एसडीएम पूनम भास्कर ने शिकायतों को सुना। 27 शिकायतें दर्ज की गईं।

कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मारी

,अमेठी, (संवाददाता)। मुसाफिरखाना के पूरे लोहारन गांव के पास शनिवार को एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से ई–रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई–रिक्शा चालक राम प्रताप घायल हो गए। राम प्रताप पूरे प्रेम शाह के रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों ने घायल को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मुसाफिरखाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार तेज गति में थी। पुलिस वाहन और चालक की तलाश कर रही है। हादसे से क्षेत्र में अफरा–तफरी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने घायल को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

युवक का शव पेड़ से लटका मिला

अमेठी, (संवाददाता)। जिले के थाना जामो क्षेत्र के बलभद्रपुर गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां 25 वर्षीय मनोज कुमार लोधी का शव एक पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक राम आनन्द लोधी का पुत्र था। परिजनों ने इस मामले को हत्या से जोड़ते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल मौके पर पहुंचा। सपा नेताओं ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। सपा जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा कि उनकी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। वे दोषियों को सजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने प्रशासन से घटना की गहन जांच की मांग की है।

ट्रेडिंग कंपनी में निवेश का झांसा देकर ठगी, करोड़ों रुपये लेकर भागा जालसाज

गोरखपुर (संवाददाता)। सिंघड़िया इलाके में फर्जी ट्रेडिंग कंपनी खोलकर करोड़ों रुपये की जालसाजी का मामला सामने आया है। करीब 50 लोगों से रुपये लेने के बाद कंपनी मालिक ऑफिस बंद कर भाग गया है। ठगी का अहसास होने के बाद पीड़ितों ने एसपी सिटी से गुहार लगाई। एसपी सिटी के निर्देश पर कैंट पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, सिंघड़िया इलाके के श्रीराम सिटी में आरोपी युवक ने ऑफिस खोला था। वहीं, सिंघड़िया गैस गोदाम गली में एक शोरूम भी था। पीड़ित राम सिंह बेदी ने आरोप लगाया कि जुलाई 2024 में युवक ने यहां कंपनी शुरू की। उसने ट्रेडिंग में 15 प्रतिशत हर महीने रिटर्न का लालच दिया था। साथ ही साढ़े 13 महीने में रुपये डबल होने की बात कही थी। शुरू के दो–तीन महीने उसने भरोसा जीतने के लिए रुपये भी दिए। भरोसा बढ़ा तो लोन लेकर और रुपये निवेश कर दिए। बताया कि अब तक कुल 25 लाख रुपये कंपनी में लगा चुके हैं। आरोप लगाया कि पिछले कुछ माह से रिटर्न आना बंद हो गया था। आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर लिया और कार्यालय पर ताला लगाकर भाग गया। पीड़ित संतोष कुमार मौर्य ने बताया कि जीवनभर की जमा–पूंजी (15 लाख) ट्रेडिंग कंपनी में लगा दी। कुछ महीनों तक वह रकम देता रहा और इसी को देखकर कुछ नए लोगों ने भी निवेश कर दिया। मीना सिंह ने नौ लाख, संदीप श्रीवास्तव ने छह लाख, व्यास करण ने एक लाख, राजकुमार ने 10.50 लाख, राजबहादुर यादव ने 5.10 लाख, बलराम ने दो लाख समेत करीब 50 लोगों ने निवेश किया था। ठगी के शिकार लोगों का कहना है कि आरोपी युवक बिहार के सिवान का मूल निवासी है। उसने अपने आधार कार्ड में पता बदलवा लिया था।

गोरखपुर से 375 यात्रियों को लेकर पाटलिपुत्र के रवाना हुई ट्रेन

गोरखपुर (संवाददाता)। गोरखपुर से पाटलिपुत्र के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पहली बार रविवार की सुबह करीब 375 यात्रियों को लेकर रवाना हुई।

यात्रियों के अलावा ट्रेन के स्टाफ ने भी सेल्फी ली और सफर को यादगार बना दिया। वन्दे भारत ट्रेन रविवार सुबह 5रू46 बजे प्लेटफार्म नंबर नौ से पाटलिपुत्र के लिए चली। ट्रेन के लोको पायलट अरुण कुमार, सहायक लोको पायलट विजय कुमार और ट्रेन मैनेजर आरए यादव ट्रेन को लेकर रवाना हुए।

हालांकि ट्रेन के रवाना होने के पहले कोई औपचारिक समारोह नहीं किया गया स यात्रियों ने वंदे भारत ट्रेन के चलने पर खुशी जताई। 19 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीवान में एक जनसभा के दौरान पाटलिपुत्र से गोरखपुर तक चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया था। यह ट्रेन सुबह 5:45 बजे गोरखपुर से चलकर अपराह्न 12:45 बजे पाटलिपुत्र जंक्शन पहुंचेगी।

6 स्थानों पर रुके सीएम योगी, कहा- किसी व्यापारी का न हो नुकसान, दुकानों को लेकर कही ये बड़ी बात

गोरखपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रात करीब नौ बजे जगेसर पासी चौराहा से हड़हवा फाटक होते हुए एचएन सिंह चौराहे तक बन रही टू लेन फोरलेन सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने और जलनिकासी का प्रबंध करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने पांडेयहाता से लेकर घंटाघर होते हुए हजारीपुर तक निर्माणाधीन विरासत गलियारा का भी जायजा लिया और निर्माण से प्रभावित सभी मकान व दुकान का मुआवजा देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री का काफिला गोरखनाथ मंदिर से निकला और सबसे पहले जगेसर पासी चौराहे पर रुका। सीएम ने कार्यदायी संस्था की तरफ से प्रस्तुत लेआउट मॉडल को देखा और सड़क की लंबाई–चौड़ाई की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि इस मार्ग पर 2.14 किमी सड़क टूलेन और शेष फोरलेन है। सीएम ने मकानों–दुकानों के स्वामियों को दिए गए मुआवजे के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण के दौरान जलभराव न होने पाए। इसके बाद मुख्यमंत्री इस मार्ग पर हड़हवा पुलिस चौकी का पास रुके। यहां उन्होंने रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल में इसका निर्माण पूर्ण करने का प्रयास करें। हड़हवा फाटक के आस–पास जलजमाव की समस्या को दूर करने के लिए दोनों तरफ नाले बनाए जाएं। इसके लिए रेलवे से भी बात की जाए। सड़क निर्माण के कारण तोड़ी गई नगर निगम की दुकानों के बदले नई दुकानें बनाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने ओमनगर, बशारतपुर में भी रुककर सड़क के लेआउट प्लान का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि काम में तेजी लाई जाए। उन्होंने जलनिकासी के लिए हेड टू टेल मुकम्मल इंतजाम की हिदायत दी और कहा कि नाले के डक्ट को अच्छे से ढका जाय, जिससे इसे फुटपाथ के रूप में प्रयोग में लाया जा सके। सड़क और मोहल्ले का पानी आसानी से नाले में जा सके, इसका भी निर्देश दिया। इसके बाद एचएन सिंह चौराहे से पहले मेट्रो हॉस्पिटल के पास रुके। उन्होंने पीडब्ल्यूडी और नगर निगम को आपसी सामंजस्य से जलभराव की समस्या का समाधान कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह सहित प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी के अधिकारी उपस्थित रहे। विरासत गलियारा का निरीक्षण करने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ पांडेयहाता पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस गलियारे के निर्माण में जितने भी मकान और दुकान आए हैं, उनका मुआवजा दिया जाए। कोई भी छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने निर्माण कार्य के दौरान जनता की सहूलियत के लिए यूटिलिटी डक के आकार का परीक्षण कर लेने के निर्देश दिए।

तबला वादन व बोल पढ़ंत प्रतियोगिता हुई

लखीमपुर खीरी (संवाददाता)। विश्व संगीत दिवस के मौके पर मोहल्ला मिश्राना में तबला वादन व बोल पढ़ंत प्रतियोगिता हुई। डॉ. रुचि रानी गुप्ता ने बताया कि मिश्राना पुलिस चौकी के पास शिव मंदिर परिसर में ताल वाद्य अकादमी (संबद्ध सुरों भारती संगीत कला केंद्र, कोलकाता) की ओर से आयोजन कराया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान आरव, अंश, लक्ष्य, स्नेहा, समीक्षा, सीमा देवी आदि विद्यार्थियों ने संगीत की प्रस्तुतियां दीं। डॉ. रुचि रानी गुप्ता ने बताया कि मिश्राना पुलिस चौकी के पास शिव मंदिर परिसर में ताल वाद्य अकादमी (संबद्ध सुरों भारती संगीत कला केंद्र, कोलकाता) की ओर से आयोजन कराया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान आरव, अंश, लक्ष्य, स्नेहा, समीक्षा, सीमा देवी आदि विद्यार्थियों ने संगीत की प्रस्तुतियां दीं।

पत्रकार का सम्मान समारोह एवं कार्ड वितरण समारोह करने के बाद दिवंगत पत्रकारों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उतरौला बलरामपुर उतरौला तहसील के सभागार में रविवार लगभग 11 बजे से उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन की उतरौ ला इकाई के द्वारा कार्ड वितरण एवं पत्रकार सम्मान समा रोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ दिवंगत पत्रकारों स्वर्गीय श्री विश्वनाथ त्रिपाठी, स्वर्गीय अमीर माबिया, स्वर्गीय अब्दुल करीम सिद्दीकी, स्वर्गीय फरीद आरजू,को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। उपस्थित सभी पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत उनके आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।मुख्य अतिथि के रूप में आएं जगपाल सिंह, विशिष्ट अतिथि आलोक कुमार गुप्ता रहे। मंच पर जिला महा मंत्री राजेश खुराना, जिला उपाध्यक्ष नील मणि त्रिपाठी, तहसील संरक्षक राकेश कुमार उर्फ राजन श्रीवास्तव तहसील अध्यक्ष नूर मोहम्मद, तहसील महा मंत्री गिरीश मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार हरीश कुमार गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार असगर अली शाह व सुशील कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को अंग वस्त्र बैच व फूल–माला पहना कर उनका स्वागत किया। इस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार इमरान अली शाह ने किया। इसके उपरान्त वर्ष 2025–26 के नवीनी कृत पत्रकार परिचय पत्रों का वितरण मुख्य अतिथि जगपाल सिंह के द्वारा किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ पत्र कार अनिल कुमार गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता ही समाज को जागरूक व सशक्त बनाती है। ऐसे आयोजन पत्रकारों को नई ऊर्जा और आत्म बल प्रदान करती हैं।

वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारों का यह मंच न केवल संवाद का माध्यम है,बल्कि सामाजिक उत्तर दायित्व और निर्वाहन का भी केन्द्र है। हमें अपनी लेखनी से समा ज के हर वर्ग की आवा ज को बुलन्द करना है। वहीं पर वरिष्ठ पत्रकार हरीश कुमार गुप्ता ने कहा, पत्रकारों को अपनी गरिमा,निष्ठा और सत्य के प्रतिबद्धता बनाए रखनी चाहिए। पत्रकारिता के क्षेत्र में नई पीढ़ी को भी आगे लाने का प्रयास भी जरूरी है। इसके अला वा वरिष्ठ पत्रकार गिरीश मिश्रा ने कहा कि हर पत्रकार समाज का दर्पण है,और यह दर्पण तभी प्रभावी बनता है जब वह स्पष्ट, सत्य और निर्भीक होकर पत्रकारिता करता है मौके पर मौजूद वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार उर्फ राजन श्रीवास्तव ने कहा कि एसोसिएशन को स्थानीय समस्याओं पर गम्भीरता से काम करना चाहिए और प्रशा सन के साथ ताल मेल बनाकर आमजन की आवाज उठानी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि आलोक कुमार गुप्ता ने कहा, पत्रकार समाज के प्रहरी हैं, उन्हें सम्मान देना समाज की जिम्मे दारी है। समाज में पार दर्शिता औरउत्तरदायित्व बोध लाने में पत्रकारों की भूमिका अतुलनीय है, हम सदैव पत्रकार हित के लिए उनके साथ खड़े रहेंगे,और यह हमारा दायित्व बनता है। मुख्य अतिथि जग पाल सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि पत्रकारिता आज तकनी की युग में बदलाव के दौर से गुजर रही है, लेकिन इसकी आत्मा यानी सत्य सेवा और समाज आज भी उतनी ही प्रासंगिक करतीं है। हम पत्रकारों के साथ हर स्तर पर सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। अन्त में तहसील अध्यक्ष नूर मोहम्मद ने सभी अति थियों और पत्रकारो का आभार व्यक्त करते हुए कहा, कि हम सभी पत्रकार बंधु एकजुट रहकर न केवल अपने अधिकारों की रक्षा करेंगे,बल्कि समाज की बेहतरीन सेवा भी करके इसकी भूमिका भीनिभा येगे। यह आयोजन इसी भावना का प्रतीक है।

इस सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार साथी बजरंगी गुप्ता, वाजिद अली,सी बी उपाध्याय,खुर्शीद राज, माता प्रसाद, गगन प्रीत रोहित कुमार गुप्ता, ताज मोहम्मद, मोहम्मद अय्यूब, ऋषभ श्रीवा स्तव, उमानन्द गुप्ता सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

आयुक्त की अध्यक्षता में आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक सम्पन्न

श्रावस्ती, 22 जून, 2025। सू0वि0। देवीपाटन मण्डल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील की अध्यक्षता में तथा मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद व अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0)अमरेन्द्र कुमार वर्मा की उपस्थिति में तमाम विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आकांक्षात्मक जनपद कार्यक्रमध् आकांक्षात्मक ब्लाक कार्यक्रम जमुनहा एवं नीति आयोग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। बैठक में आयुक्त ने कहा कि देश के विकास के लिए देश एवं प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन विभिन्न विभागों के माध्यम से किया जा रहा है। इसलिए सम्बन्धित विभागीय अधिकारी अपने–अपने विभागों में सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओंधविकास कार्यक्रमों को धरातल पर उतारकर हर पात्र व्यक्ति को जरूर लाभान्वित करें तथा यह भी ध्यान रखें कि कोई भी गरीब, असहाय, बेसहारा व्यक्ति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वचिंत न रहने पाये।

समीक्षा के दौरान उन्होने कहा कि सम्पूर्ण विकास में शिक्षा और स्वास्थ्य की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए इन दोनो बिन्दुओं पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि जिले की हर गर्भवती महिलाओं का शत–प्रतिशत टीकाकरण, उनके स्वास्थ्य की देखभाल एवं नवजात शिशु से लेकर पॉच वर्ष तक के बच्चों का समय से टीकाकरण कराने के साथ हर गर्भवती महिलाओं एवं उनके नवजात बच्चों के टीकाकरण का लेखा जोखा ढंग से रखा जाए, ताकि कोई भी गर्भवती महिला तथा नवजात शिशु टीकाकरण से वंचित न रहने पाए।

इसके अलावा आयुक्त महोदय द्वारा आकांक्षी ब्लाक एवं आकांक्षी जनपद रूपांतरण कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्य इंडिकेटर्स एवं नीति आयोग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्यो की गहन समीक्षा की तथा योजनाओं के लक्ष्य की पूर्ति के बारे में सम्बन्धित अधि ाकारियों से वार्ता कर जानकारी ली तथा बेहतर ढंग से सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतार कर जन–जन को लाभान्वित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने आयुक्त महोदय को अवगत कराया कि जिले में स्वास्थ्य और शिक्षा के स्तर में सुध ार लाने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे है। जनपद श्रावस्ती में उक्त कार्यक्रम के माध्यम से विकास के पिछडे क्षेत्रों स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास, आध ारभूत अवसंरचना के क्षेत्र में 49 मुख्य संकेतांकों के सुधार हेतु विशेष प्रयास किया जा रहा है।

बैठक का संचालन जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अजय कुमार यादव ने किया।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 वी0के0 श्रीवास्तव, डी0सी0 एन0आर0एल0एम0 राजीव कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी नन्दलाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी पी0के0 दास, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक मिथलेश कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग के0पी0 मिश्र, ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शरद श्रीवास्तव सहित सम्बंधित विभागों के अधि ाकारीगण एवं खण्ड विकास अधि ाकारीगण उपस्थित रहे।

आयुक्त की अध्यक्षता में सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत की गई तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सम्भावित बाढ़ के मद्देनजर राहत एवं बचाव की सभी तैयारियां कर ली जाएं पूरी–आयुक्त

श्रावस्ती, 22 जून, 2025। सू0वि0। देवीपाटन मण्डल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील की अध्यक्षता में एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद एवं अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0)अमरेन्द्र कुमार वर्मा की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्भावित बाढ़ के मद्देनजर समीक्षा बैठक की। बैठक में आयुक्त ने बाढ़ तैयारियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा सम्भावित बाढ़ के मद्देनजर राहत एवं बचाव कार्य के लिए पुख्ता तैयारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान होने वाली सम्भावित संक्रामक बीमारियों से बचाव हेतु कारगर कदम उठाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सम्भावित बाढ़ के दौरान यदि घर अथवा फसल की क्षति होती है, तो उसका समय से सर्वे कराकर आंकलन किया जाए, ताकि पीड़ित व्यक्ति को क्षतिपूर्ति मुहैया हो सके।

उन्होने निर्देश दिया है कि विगत वर्षो में आयी बाढ़ के मद्देनजर राहत एवं बचाव कार्य के सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए, ताकि सम्भावित बाढ़ यदि आ भी जाती है, तो तत्काल बाढ़ प्रभावित गॉवों में बाढ़ पीड़ितों को राहत मुहैया करायी जा सके। उन्होने कहा कि बाढ़ राहत सामग्रियों हेतु टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। सभी बाढ़ चौकियों पर स्वास्थ्य टीम की व्यवस्था के साथ–साथ बरसात के दिनों में होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव हेतु तथा बाढ़ के दौरान सर्पदंश से बचाव हेतु एंटीवेनम सहित अन्य व्यवस्थाओं को चुस्त–दुरूस्त रखा जाए। सम्भावित बाढ़ को देखते हुए पशुओं को चारे की कोई दिक्कत न होने पाए, इसके लिए चारा हेतु आवश्यक कार्यवाही तथा पशुओं को बरसात के दिनों में होने वाली बीमारियों के बचाव हेतु शत–प्रतिशत टीकाकरण कराने हेतु निर्देश दिया।

बैठक के दौरान अपर जिलाधि ाकारी ने आयुक्त महोदय को अवगत कराया कि सम्भावित बाढ़ से निपटने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जनपद श्रावस्ती में बाढ़ आने की प्रवृत्ति बहुत अनियमित है। विगत वर्ष 2022 में बाढ़ अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में जबकि 2024 में बाढ़ जुलाई के प्रथम सप्ताह में ही आ गयी थी। राप्ती बैराज पर अधि ाकतम वाटर डिस्चार्ज अब तक 139359 क्यूसेक रहा। राप्ती बैराज का खतरे का निशान 127.70 मी0 है। जनपद में अभी तक अधिकतम वाटर लेवल 2017 में 130.15 मी० रहा है। जनपद में बाढ़ से बचाव के लिये 04 तट बन्ध बने हैं। जनपद में 67 नावें उपलब्ध हैं साथ ही एन०डी०आर०एफ०, एस०डी०आर०एफ० एवं फ्लड पी०ए०सी० की भी तैनाती की जाती है। वर्तमान में 01 एस0डी0आर0एफ0 व 02 पी0ए0सी0 फ्लड बटालियन की टीम शासन द्वारा अनुमन्य की गई है। राप्ती तटबन्ध, जिलाधिकारी कार्यालय एवं तहसील कार्यालयों में 24•7 संचालित कॉल सेन्टर की स्थापना कर स्थिति पर 24 घण्टे नजर रखी जाती है। इस वर्ष बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मे 19 बाढ़ चौकियाँ एवं 28 बाढ़ शरणालय स्थापित किये गये हैं। बाढ़ शरणालयों की धारण क्षमता 12300 की है। बाढ़ चौकियों एवं शरणालयों के साथ ही 09 पशु शरणालयों की व्यवस्था की गयी है। शरणलयोंध्बाढ़ चौकियों की संख्या एवं स्थान में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है। राहत सामग्रियों की निविदा शासन के निर्देशानुसार समय सीमा के अन्तर्गत कर ली गयी है।

उन्होने बताया कि जिले में कुल 67 नाव है, जिनमें कुल 129 नाविको व 293 गोताखोरों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा 178 आपदा मित्रों को भी सक्रिय किया गया है। आपदा उपकरण जैसे लाइफ जैकेट 134, लाइफ रिंग 137, लाउडहेलर 48, फोल्डिंग स्ट्रेचर 33, सर्च लाइट 37 तथा 79 सेफ्टी हेलमेट उपलब्ध है। वर्तमान में स्थिति सामान्य हैं। वर्तमान में जनपद के किसी ग्राम में बाढ़ की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि सभी बाढ़ चौकी प्रभारियों एवं चौकी पर तैनात अधिकारियोंध कर्मचारियों को ड्यूटी पर सक्रिय रहने के निर्देश दिये गये है। प्रत्येक बाढ़ चौकी पर बरसात में होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव हेतु दवाओं के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी लागायी गयी है।

उन्होने यह भी बताया कि जनपद स्तर पर बाढ़ आपदा के प्रबन्धन एवं सूचनाओं के त्वरित सम्प्रेषण हेतु बाढ़ कंट्रोलरूम प्रारंभ कर दिया गया है, जो कलेक्ट्रेट स्थित इमरजेंसी आपरेशन सेंटर (आई0ओ0सी0) में स्थापित है। जिसका दूरभाष नम्बर 91 5250 297 302, 8545092198 एवं 8960498147 पर सम्पर्क कर अपनी समस्या बता सकते है। यह कन्ट्रोल रूम 24•7 अनवरत क्रियाशील है।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 वी0के0 श्रीवास्तव, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग केपी मिश्र, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा0 राजेश कुमार, अधिशासी अभियंता बाढ़ कार्य खण्ड, अधिशासी अभियंता सिंचाई विकास शिरोमणि, आपदा लिपिक मंशाराम, आपदा विशेषज्ञ अरूण कुमार मिश्र सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्कूलों के विलय के खिलाफ उतरे शिक्षक संगठन, कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्यपाल को लिखा पत्र

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश में कम नामांकन वाले परिषदीय स्कूलों के विलय का विरोध बढ़ता जा रहा है। शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों के संयुक्त मोर्चा ने शनिवार को ऑनलाइन बैठक कर इस निर्णय का विरोध किया। साथ ही यह भी कहा कि जल्द यह निर्णय वापस नहीं लिया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय सचिव दिलीप चौहान ने बताया कि विद्यालयों के विलय से वह बच्चे जो गरीब तबके से आते हैं, जिनके पास विद्यालय तक आने जाने का कोई संसाधन तक नहीं है। ऐसे बच्चे अपने घर के पास के विद्यालय में शिक्षा पाते थे, वे प्रभावित होंगे। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष योगेश त्यागी ने कहा कि सरकार विद्यालयों को मर्ज कर आरटीई एक्ट का उलंघन कर रही है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि विद्यालय को बंद कर पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा से दूर रखने का विरोध करेंगे। यदि इस फैसले को वापस नहीं लिया जाता तो हम सब मिलकर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संतोष तिवारी व उप्र बीटीसी शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों को एक किलोमीटर की दूरी पर इसलिए ही खोला गया था ताकि पास के गांव व मजरे के बच्चों को बिना किसी परेशानी के शिक्षित किया जा सके। ऐसे में विद्यालयों का विलय करना शिक्षकों और बच्चों के साथ घोर अन्याय होगा। बैठक में शिक्षामित्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शुक्ला व प्रदेश महामंत्री सुशील यादव, एफआरसीटी के संस्थापक महेंद्र कुमार वर्मा, विशिष्ट बीटीसी संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष शालिनी मिश्रा, अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने इसका विरोध किया। वहीं बीटीसी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीतेश पांडेय ने कहा कि जो बीटीसी, बीएड किए लाखों युवा हर साल निकल रहे हैं, वह कहां जाएंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को पत्र लिखकर मनमाने तरीके से विद्यालयों के विलय कर आम आदमी के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसको रोकने की मांग की है। अजय राय ने कहा है कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार जनविरोधी और मनमानी नीतियां लागू कर रही है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम आदमी के बच्चों को हो रहा है। विद्यालयों के विलय से ग्रामीण और गरीब परिवार के बच्चे शिक्षा से वंचित होंगे। शिक्षक भर्तियों को लटकाकर और खाली पदों को भरने में आनाकानी करके सरकार सरकारी विद्यालयों को जानबूझकर कमजोर कर रही है।

इस्लामी सकालर डाक्टर यासूब अब्बास के सोमवार की रात्रि में एक मजलिस का आयोजन किया जाएगा।

उतरौला बलरामपुर

तहसील क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम रेहरा माफी में सोम वार की रात्रि लगभग 8 बजे एक विशेष मजलि स का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश–विदेश के प्रसिद्ध इस्ला मी विद्वान एवं शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जेनरल सेक्रेटरी डॉक्टर यासूब अब्बास साहब मजलिस को मुख्य वक्ता के रूप में सम्बो धित करेंगे। यह मजलि स, ग्राम रेहरा माफी के निवासी मोहम्मद सालि म की स्वर्गीय वालिदा के चालीसवें यानी (चहल्लुम) के अवसर पर आयोजित की जा रही है। आयोजन की जानकारी शुजा उतरौल वी ने बताया कि डॉक्टर यासूब अब्बास की मौजूदगी को लेकर स्थानीय शिया समुदाय सहित अन्य धर्म प्रेमियों में भी गहरी श्रद्धा और उत्सुकता है। डॉक्टर यासूब अब्बास देश के प्रमुख शिया विद्वानों में गिने जाते हैं और वे सामाजिक, धार्मिक और साम्प्रदायिक सौहार्द्र को लेकर अक्सर राष्ट्रीय मंचों पर अपने विचार रखते हैं। उनके प्रवचनों में गहरी आध्यात्मिकता, सामा जिक चेतना और कुर आनी सन्देशों की प्रासं गिक व्याख्या करते है।

मजलिस के सफल आयोजन हेतु बनाने के लिए ग्राम वासियों व आयोजकों के द्वारा व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। स्थानीय युवा और बुजुर्गों की टोली इस कार्यक्रम स्थल की साज–सज्जा, रोशनी और बैठने की व्यवस्थाओं में जुटी हुई है। आयोजन को शांति पूर्ण और अनुशासित तरीके से सम्पन्न कराने के लिए स्थानीय प्रशा सन से भी समन्वय किया गया है। शुजा उतरौलवी ने बताया कि यह कार्यक्रम न सिर्फ एक धार्मिक अवसर है, बल्कि गंगा–जमुनी तह जीब और मजहबी एकता का भी प्रतीक बनेगा। उन्होंने आम जनमानस से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर इस मजलिस में शरीक होकर दिवंगत आत्मा की मगफिरत के लिए दुआ करें, और डॉक्टर. यासूब साहब के सारग र्भित विचारों से लाभा न्वित हों।गौरतलब हो कि इस मजलिस के माध्यम से न केवल स्वर्गीय वालिदा को श्रद्धांजलि दी जाएगी, बल्कि सामाजिक और धार्मिक जागरूकता का भी प्रसार होगा। इस कार्यक्रम में बलरामपुर, उतरौला और आस– पास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।

महिला सशक्तिकरण सेवा समिति की के सौजन्य से वाराणसी में प्रथम बार नैनो प्लास्टिया ट्रीटमेंट का हुआ वर्कशॉप

वाराणसी राजेश सेठ

रोहनिया स्थित द फूड पैलेस बैंक्विट हॉल में एक दिवसीय सुपर वर्कशॉप का आयोजन हुआ

जिसमे एक्सपर्ट ट्रेनर ममता सिंह जी ने हेयर के रख रखाव की बारीकियों के बारे में को बताया गया जिसमें पूर्वांचल की सैकड़ो ब्यूटीशियन महिलाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया

विगत वर्ष संस्था ने मेकअप में विश्वकृतिमान भी बनाया था

विगत वर्षों में संस्था ने सैकड़ों महिलाओ को सिलाई कढ़ाई ब्यूटीशियन हस्तशिल्पकला में

प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर

बनाने का प्रयास किया है

जिसमे पूर्वांचल जिले की सैकड़ो

ब्यूटीशियन एक्सपर्ट ने भाग लिया था

संस्था द्वारा असहाय दिव्यांग बच्चियों महिलाओं को संस्था निशुल्क प्रशिक्षण देती है

कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक शरद कुमार गोस्वामी किया इसमें संस्था की सभी प्रमुख संचालिका रेखा ,संगीता तारा कविता सुमन रूपा साधना अमिता गीता ललिता सुषमा अनिता कविता निशा एवं सभी महिलाएं उपस्थित रही

यूपी में नहीं हुए 55 हजार बच्चों के प्रवेश, शिक्षा निदेशालय मना करने वाले निजी स्कूलों पर करेगा सख्ती

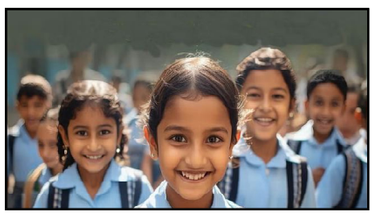

लखनऊ (संवाददाता)। निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधि ाकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रदेश में अब भी 55 हजार छात्रों का प्रवेश नहीं हुआ है। जिलों के बाद अब बेसिक शिक्षा निदेशालय प्रवेश न देने वाले निजी स्कूलों पर सख्ती करेगा। हाल ही में हुई समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिया गया है कि विद्यालयों को नोटिस जारी कर प्रवेश न लेने का कारण पूछा जाए। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। इस बार चार चरणों में की गई आवेदन प्रक्रिया में 1.85 लाख बच्चों को सीटें अलॉट की गईं। इसमें से अब तक 1.30 लाख बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित हुआ है। जबकि 55 हजार बच्चों के प्रवेश अभी भी नहीं हुए हैं। एक जुलाई से नए सत्र में पढ़ाई शुरू होगी। इससे पहले अब निदेशालय की ओर से निजी स्कूलों पर इन बच्चों के प्रवेश के लिए सख्ती की जा रही है। हाल में हुई समीक्षा बैठक में निर्देश दिया गया कि इन स्कूलों से प्रवेश न लेने का कारण पूछा जाएगा। इसमें उचित कारण न मिलने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। जानकारी के अनुसार कुछ जिलों में ऐसे विद्यालयों की मान्यता समाप्त करने की सिफारिश भी की गई है। बहराइच में 90 फीसदी, बलरामपुर में 92 फीसदी, गोंडा में 94 फीसदी, श्रावस्ती में 91 फीसदी, देवरिया में 90 फीसदी, फिरोजाबाद में 93 फीसदी, हरदोई में 91 फीसदी, ललितपुर में 92 फीसदी, प्रतापगढ़ में 92 फीसदी, पीलीभीत में 89 फीसदी प्रवेश आवंटित सीटों के सापेक्ष हुए हैं।

मुरादाबाद में 33 फीसदी, गाजियाबाद में 52 फीसदी, मेरठ में 53 फीसदी, महराजगंज में64 फीसदी, कौशांबी में 64 फीसदी, अयोध्या में 66 फीसदी, गौतमबुद्ध नगर में 63 फीसदी, कानपुर नगर में 48 फीसदी, कानपुर देहात में 65 फीसदी, कन्नौज में 59 फीसदी प्रवेश आवंटित सीटों के सापेक्ष हुए हैं।

कोरोना के चार नए संक्रमित मिले, अब तक मिल चुके हैं 64 मरीज

लखनऊ (संवाददाता)। राजध ानी के अलग–अलग इलाकों में शनिवार को कोरोना के चार नए मरीज मिले हैं। सभी मरीजों में लक्षण आने पर निजी लैब से जांच कराई थी। जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सभी मरीज होम आईसोलेशन में हैं। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया तेलीबाग के रहने वाले बुजुर्ग पुरुष (85) को तीन से चार दिन से बुखार आ रहा था। सांस लेने में तकलीफ शुरू हुई। जांच कराने पर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बुजुर्ग होम आईसोलेशन में हैं। मोहनलालगंज इलाके से दो पुरुष पॉजिटिव आए हैं। इसमें एक (38) व दूसरा (58) वर्ष है। जबकि चौथा मरीज चौक का रहने वाला (19) वर्ष का छात्र है। जनपद में अब तक कुल 66 कोविड ध नात्मक रोगी पाए गए हैं। जिसमें एक्टिव केसों की संख्या 35 है। राजधानी में कोविड का प्रकोप बढ़ने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग लापरवाह बना हुआ है। सरकारी अस्पतालों में अभी तक कोविड हेल्पडेस्क तक नहीं बनाई गई है। अहम बात यह है कि जांच के लिए काउंटर तक नहीं है। ऐसे में लक्षण वाले लोग जांच के लिए भटक रहे हैं। मरीजों की आरटीपीसीआर जांच के लिए नमूना तक नहीं भेजा जा रहा है। शहर में कोविड के अब तक 64 मरीज मिल चुके हैं। इनमें सक्रिय मामले 36 हैं। इसके बाद भी अस्पतालों में जांच के इंतजाम पुख्ता नहीं है। लोगों को जांच के लिए निजी केंद्र जाना पड़ रहा है। बलरामपुर, सिविल, लोकबंधु, रानी लक्ष्मीबाई समेत अन्य अस्पतालों में कोविड हेल्पडेस्क नहीं बनी है।

जिले में अवैध एवं बिना मान्यता के संचालित 01 मदरसे के विरूद्ध की गयी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

श्रावस्ती 22 जून, 2025। सू0वि0। जिले में अवैध एवं बिना मान्यता के संचालित मदरसों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज रविवार को तहसील जमुनहा के अंतर्गत ग्राम हरदत नगर गिरंट के गाटा संख्या 2430 क्षेत्रफल 0.100 हेक्टेयर खाद के गड्ढे भूमि पर स्थित मदरसा जामिया रजविया शम्सुल उलूम के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी।

आईटीएमएस कैमरों की मदद से पुलिस को बड़ी सफलता मिली

लखनऊ (संवाददाता)। शहर में लगे आईटीएमएस कैमरों की मदद से शनिवार को पुलिस को बड़ी सफलता मिली। अमौसी एयरपोर्ट से आलमबाग बस अड्डे पहुंचे आजमगढ़ के मुबारकपुर निवासी आलमगीर अहमद का गत 12 जून की सुबह बैग लूटकर भागे कैब चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान बाराबंकी के लोनी कटरा निवासी आनंद सिंह के रूप में हुई है। आलमगीर अहमद 12 जून की सुबह सऊदी अरब की फ्लाइट से अमौसी एयरपोर्ट पहुंचे थे। वहां से आलमबाग बस अड्डे के लिए उन्होंने कैब बुक की थी। कैब चालक आलमबाग बस अड्डे पर उन्हें कैब से उतारते वक्त उनका बैग लूट ले गया था। बैग में 11 हजार रुपये, सऊदी अरब का डीएल, आध ार कार्ड व तीन मोबाइल फोन रखे थे। इस मामले में 20 जून को पीड़ित ने आलमबाग थाने में लूट का केस दर्ज कराया था। उन्होंने कैब का नंबर भी पुलिस को दिया।

ग्रेटर नोएडा में फिल्म सिटी का शिलान्यास 26 जून को

लखनऊ (संवाददाता)। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर–21 में प्रस्तावित इंटरनेशनल फिल्म सिटी के शिलान्यास का मुहूर्त निकल गया है। 26 जून को शाम पांच बजे इसकी नींव रखी जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आ सकते हैं या वर्चुअल भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म सिटी के पहले चरण का निर्माण 900 करोड़ की लागत से 86 एकड़ में होना है। बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्रा.लि. के चेयरमैन और फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने फिल्म सिटी का मानचित्र स्वीकृति के लिए यमुना प्राधि ाकरण को दिया था। नक्शा पास हो गया है। यीडा और कंपनी के बीच हुए अनुबंध के अनुसार, 27 जून तक शिलान्यास न होने पर प्रतिदिन 1.5 लाख रुपये के हिसाब से जुर्माना लगेगा।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।